CBSE प्रश्न पत्र के प्रश्न बैंक - 2023, 2024, 2025

कक्षा – <XII>

<अर्थशास्त्र> (कोड : <030>)

भाग 'अ' – समष्टि अर्थशास्त्र

इकाई 1 – <राष्ट्रीय आय तथा संबंधित समुच्चय>

<table>
<tr><td></td><td>< 1 > अंक वाले प्रश्न</td><td>MAIN/ COMPTT.</td></tr>
<tr><td>1.</td><td>बाज़ार मूल्य पर शुद्ध मूल्य वृद्धि (NVA_{MP}) का मूल्य प्राप्त करने के लिए, बाज़ार मूल्य पर सकल वर्धित मूल्य (GVA_{MP}) में/से _____ को _____ जाना चाहिए।
(रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)
(A) मूल्यह्रास, जोड़ा
(B) मूल्यह्रास, घटाया
(C) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर, घटाया
(D) शुद्ध अप्रत्यक्ष कर, जोड़ा</td><td>MAIN 2025</td></tr>
<tr><td>उत्तर</td><td>(B) मूल्यह्रास, घटाया</td><td></td></tr>
<tr><td>2.</td><td>पहचानें कि, निम्नलिखित में से किसे भारत का 'सामान्य निवासी' नहीं माना जाता है ?

(A) नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में कार्यरत एक भारतीय नागरिक ।
(B) चीन में भारतीय दूतावास में कार्यरत एक भारतीय अधिकारी ।
(C) शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा गए एक भारतीय राजनयिक ।
(D) न्यूयॉर्क स्थित एक अमेरिकी कंपनी में, एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए कार्यरत एक भारतीय ।</td><td>MAIN 2024</td></tr>
<tr><td>उत्तर</td><td>(D) न्यूयॉर्क स्थित एक अमेरिकी कंपनी में, एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए कार्यरत एक भारतीय ।</td><td></td></tr>
<tr><td>3.</td><td>कॉलम I व II में दिए गए कथनों में से, सही युग्म का चयन करें।
<table>
<tr><th colspan="2">कॉलम I</th><th colspan="2">कॉलम II</th></tr>
<tr><td>A</td><td>निजी बग़ीचे में उगाई गईं सब्जियाँ</td><td>(i)</td><td>गैर विपणन गतिविधि</td></tr>
<tr><td>B</td><td>टैक्सी (Taxi) के तौर पर प्रयुक्त कार</td><td>(ii)</td><td>उपभोक्ता वस्तु</td></tr>
<tr><td>C</td><td>एक गृहस्थ द्वारा प्रयुक्त वातानुकूलित यंत्र (AC)</td><td>(iii)</td><td>पूँजीगत वस्तु</td></tr>
<tr><td>D</td><td>सरकार द्वारा किसी छात्र को दी जाने वाली छात्रवृत्ति</td><td>(iv)</td><td>कारक गतिविधि/आय</td></tr>
</table>
a) A - (i)
(b) B - (ii)
(c) C - (iii)
(d) D - (iv)</td><td>MAIN 2023</td></tr>
<tr><td>उत्तर</td><td>a) A - (i)</td><td></td></tr>
<tr><td>4.</td><td>निम्नलिखित तालिका को पूरा करें
<table>
<tr><th>उत्पादक</th><th>उत्पादन का मूल्य</th><th>मध्यवर्ती उपभोग</th><th>मूल्य वृद्धि</th></tr>
<tr><td>कृषक</td><td>2,000</td><td>---</td><td>2,000</td></tr>
<tr><td>बेकर (Baker)</td><td>..... (i).....</td><td>2,000</td><td>2,000</td></tr>
<tr><td>खुदरा विक्रेता</td><td>4,400</td><td>.... (iii).....</td><td>400</td></tr>
<tr><td>कुल योग (Total)</td><td>.....(ii).....</td><td>6,000</td><td>.....(iv).....</td></tr>
</table>
(a) 4000, 10400, 4000, 4000
(b) 4000, 10400, 4000, 4400
(c) 2000, 6000, 6000, 4400
(d) 4000, 10400, 6000, 4000</td><td>MAIN 2023</td></tr>
</table>

उत्तर	(b) 4000, 10400, 4000, 4400	
	< 3 > अंक वाले प्रश्न	
1	आय विधि के अंतर्गत, राष्ट्रीय आय के आकलन से संबंधित चरणों का उल्लेख कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	1. उत्पादन इकाइयों को अलग-अलग क्षेत्रकों — अर्थात् प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र में पहचानें और वर्गीकृत करें। 2. कारक आय का अनुमान लगाएँ और उन्हें कर्मचारियों का पारिश्रमिक, परिचालन अधिशेष और मिश्रित आय के रूप में विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत करें। कारक आय का यह योग घरेलू आय (NDP_{FC}) में तीनों क्षेत्रकों के योगदान को दर्शाता है। 3. अंत में, राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) ज्ञात करने के लिए विदेशों से शुद्ध कारक आय (NFIA) के मूल्य का अनुमान लगाएँ और उसे जोड़ें।	
2.	निम्नलिखित काल्पनिक आँकड़ों के आधार पर, 2020-21 को आधार वर्ष मानते हुए, वर्ष 2022-23 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में प्रतिशत परिवर्तन की गणना कीजिए। (सभी आँकड़े	MAIN 2025

वर्ष	नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद	नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद (आधार वर्ष के मूल्यों के अनुसार समायोजित
2020-21	3,000	5,000
2022-23	4,000	6,000

मूल्य बिंदु	वर्ष 2022-23 के दौरान वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में प्रतिशत परिवर्तन $= \frac{\text{वास्तविक (GDP) में परिवर्तन}}{\text{वास्तविक (GDP)}}$ X 100 $= \frac{6000-5000}{50000}$ X 100 = 20%	
3.	व्यय विधि के अंतर्गत, राष्ट्रीय आय के आकलन से संबंधित चरणों का उल्लेख कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	**उत्तर:** व्यय विधि के अंतर्गत **राष्ट्रीय आय** के आकलन से संबंधित चरण इस प्रकार हैं: 1. **अंतिम व्यय करने वाली सभी आर्थिक इकाइयों की पहचान** करें और उन्हें **परिवार, फर्म, सरकार और शेष विश्व** के रूप में वर्गीकृत करें। 2. सभी आर्थिक इकाइयों द्वारा किए गए **अंतिम व्यय का अनुमान** लगाएँ और उन्हें **निजी अंतिम उपभोग व्यय (PFCE), सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (GFCE), सकल घरेलू पूंजी निर्माण (GDCF) और शुद्ध निर्यात (X-M)** के रूप में वर्गीकृत करें। *अंतिम व्यय के चार घटकों का योग **बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP})** का प्रतिनिधित्व करता है।* 3. अंत में, **मूल्यह्रास** और **शुद्ध अप्रत्यक्ष करों** के मूल्य को **घटाएँ** और **राष्ट्रीय आय (NNP_{FC})** पर पहुँचने के लिए **विदेश से शुद्ध कारक आय (NFIA)** के मूल्य को **जोड़ें**।	
4.	मूल्य वर्धित विधि के अंतर्गत, राष्ट्रीय आय के आकलन से संबंधित चरणों का उल्लेख कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	**उत्तर: मूल्य वर्धित विधि** (Value Added Method) के अंतर्गत **राष्ट्रीय आय** के आकलन से संबंधित चरण इस प्रकार हैं: 1. **उत्पादन इकाइयों को अलग-अलग क्षेत्रों** अर्थात् **प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र** में पहचानें और वर्गीकृत करें। 2. **उत्पादन के मूल्य** में से **मध्यवर्ती उपभोग** के मूल्य को **घटाकर** प्रत्येक क्षेत्र के **सकल मूल्य वर्धित (Gross Value Added)** का अनुमान लगाएँ और **बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद *(GDP_{MP})*** पर पहुँचने के लिए प्रत्येक क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धित को **जोड़ें**। 3. अंत में, **मूल्यह्रास** और **शुद्ध अप्रत्यक्ष करों** के मूल्य का अनुमान लगाकर उन्हें **घटाएँ** और **राष्ट्रीय आय (NNP_{FC})** पर पहुँचने के लिए **विदेश से शुद्ध कारक आय (NFIA) जोड़ें**।	

5.	निम्नलिखित आँकड़ों के आधार पर साधन लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि (*NVAFC*) की गणना करें : **क्रम संख्या** | मदें | राशि (₹ लाख में) (i) | स्थायी पूँजीगत वस्तुएँ (अनुमानित जीवन काल (5 वर्ष) | 15 (ii) | घरेलू बिक्री | 200 (iii) | स्टॉक में परिवर्तन | (-) 10 (iv) | निर्यात | 10 (v) | एकल उपयोग उत्पादक वस्तुएँ | 120 (vi) | निवल अप्रत्यक्ष कर | 20	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	स्थाई पूँजीगत वस्तुओं का मूल्यह्रास = $\frac{\text{स्थाई पूँजीगत वस्तुओं का मूल्य}}{\text{अनुमानित जीवन काल}} = \frac{15}{5} = 3$ साधन लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि (*NVAFC*) = (ii) + (iv) + (iii) – (v) - मूल्यह्रास - (vi) = 200 + 10 +(-10) -120 – (3) – 20 = ₹ 57 लाख	
6.	निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा, शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (NIT) का मूल्य ज्ञात करें: **क्रम संख्या** | **मदें** | **राशि (₹करोड़ में)** (i) | बाजार मूल्य पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{MP}) | 1400 (ii) | विदेश से प्राप्त शुद्ध कारक आय | -(20) (iii) | साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP_{FC}) | 1300 (iv) | स्टॉक में परिवर्तन | 100	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (NIT) = (i) + (iv) – (iii) = 1400 + 100 – 1300 = **₹** 200 करोड़	
7.	मान लीजिए किसी राष्ट्र में केवल एक वस्तु 'X' का ही उत्पादन होता है। वर्ष 2018 व 2019 में वस्तु X का उत्पादन क्रमशः 100 तथा 110 इकाई था। इन दो वर्षों में वस्तु X का मूल्य क्रमशः ₹50 तथा ₹55 क्रमशः था। वर्ष 2018 को आधार वर्ष मानते हुए, वर्ष 2019 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में प्रतिशत परिवर्तन की गणना करें।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	वर्ष | वस्तु का उत्पादन (इकाइयों में) | बाज़ार कीमत (₹ प्रति इकाई) | नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद (₹ में) | वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (₹ में) 2018 (आधार वर्ष) | 100 | 50 | 5,000 | 5,000 2019 (चालू वर्ष) | 110 | 55 | 6,050 | 5,500 वास्तविक GDP में % परिवर्तन = $\frac{\text{वास्तविक GDP में \% परिवर्तन}}{\text{आधार वर्ष में वास्तविक } GDP}$ X 100 = $\frac{(5500 - 5000)}{5000}$ X 100 = 10%	
	< 6 > **अंक वाले प्रश्न**	

<table>
<tr><td>1.</td><td>(i) मान लीजिए कि, एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में केवल तीन फर्म A, B और C हैं। एक निश्चित समयावधि के दौरान, उनके द्वारा निम्नलिखित लेनदेन किए गए हैं:

(I) फर्म A ने फर्म B को ₹2,000 तथा फर्म C को ₹1,200 के मूल्य का माल विक्रय किया।
(II) फर्म B ने फर्म A को ₹ 1,100 तथा फर्म C को ₹3,500 के मूल्य का माल विक्रय किया।
(III) फर्म C ने गृहस्थों को ₹5,700 के मूल्य का माल का अंतिम उपभोग के लिए विक्रय किया।

मूल्यह्रास को ₹ 120 मानते हुए, बाजार मूल्य पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{MP}) के मूल्य का अनुमान लगाइए।

(ii) किसी राष्ट्र में उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाले 2000 नए विद्यालयों के निर्माण से अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) व कल्याण पर संभावित प्रभावों की व्याख्या कीजिए।</td><td>MAIN 2025

4 MARKS

2 MARKS</td></tr>
<tr><td>मूल्य बिंदु</td><td><table>
<tr><th>फर्म</th><th>उत्पादन का मूल्य (₹ में)
(i)</th><th>मध्यवर्ती उपभोग
(₹ में)
(ii)</th><th>सकल मूल्य वर्धन
(₹ में)
(i) – (ii)</th></tr>
<tr><td>A</td><td>2,000 + 1,200</td><td>1,100</td><td>2,100</td></tr>
<tr><td>B</td><td>1,100 + 3,500</td><td>2,000</td><td>2,600</td></tr>
<tr><td>C</td><td>5,700</td><td>1,200 + 3,500</td><td>1,000</td></tr>
<tr><td></td><td>13,500</td><td>7,800</td><td rowspan="2">5,700</td></tr>
<tr><td colspan="3">बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP})</td></tr>
</table>
बाजार मूल्य पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{MP}) = GDP_{MP} - मूल्यह्रास
= 5,700 – 120
= ₹ 5,580

(ii) 2000 नए विद्यालयों के निर्माण से सकल घरेलू उत्पाद पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि: निर्माण से सामान्यतः अर्थव्यवस्था में अधिक निवेश आकर्षित होता है और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है, जो GDP को बढ़ाता है। इससे उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का प्रावधान हो सकता है, जिससे नागरिकों के ज्ञान, कौशल तथा दक्षता में वृद्धि हो सकती है और नागरिक सहभागिता बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, नागरिकों के कल्याण में वृद्धि होगी।</td><td>4 MARKS

2 MARKS</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>किसी राष्ट्र में 100 नए सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के निर्माण से अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) व कल्याण पर संभावित प्रभावों की व्याख्या कीजिए।</td><td>2 MARKS</td></tr>
<tr><td>मूल्य बिंदु</td><td>100 नए सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के निर्माण से सकल घरेलू उत्पाद (GDP) पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि बेहतर स्वास्थ्य आधारित संरचना से रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सकती है। साथ ही, इससे जन-स्वास्थ्य के स्तर में सुधार होने के कारण जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि हो सकती है तथा परिणामस्वरूप, अर्थव्यवस्था में कल्याण में सुधार हो सकता है।</td><td></td></tr>
<tr><td>3.</td><td>किसी राष्ट्र में 20 नए उपरिगामी (flyovers) के निर्माण से अर्थव्यवस्था में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) व कल्याण पर संभावित प्रभावों की व्याख्या कीजिए।</td><td>2 MARKS</td></tr>
<tr><td>मूल्य बिंदु</td><td>उत्तर: 20 नए उपरिगामी (flyovers) के निर्माण से सकल घरेलू उत्पाद (GDP) पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि साधारणतया बेहतर आधारिक संरचना अर्थव्यवस्था में अधिक निवेश को आकर्षित करती है और इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सकती है। इससे यात्रा का समय और औसत परिवहन लागत भी कम हो सकती है। परिणामस्वरूप, नागरिकों के कल्याण में सुधार हो सकता है। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)</td><td></td></tr>
</table>

4.	(i) "सभी उपभोग वस्तुएँ टिकाऊ प्रकृति की होती हैं।" वैध तर्क से दिए गए कथन का समर्थन या खंडन कीजिए। (ii) दिए गए आँकड़ों के आधार पर, राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) के मूल्य का अनुमान लगाइए: **क्र.सं.** | **मदें** | **राशि (₹ करोड़ में)** (i) | घरेलू उपभोग व्यय | 1,800 (ii) | सकल व्यापारिक स्थायी पूँजी निर्माण | 1,150 (iii) | सकल आवासीय निर्माण व्यय | 1,020 (iv) | सरकारी अंतिम उपभोग व्यय | 2,170 (v) | निर्यात पर आयात का आधिक्य | 720 (vi) | मालसूची (Inventory) निवेश | 540 (vii) | सकल सार्वजनिक निवेश | 1,300 (viii) | शुद्ध अप्रत्यक्ष कर | 240 (ix) | विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय | (–) 250 (x) | स्थायी पूँजी का उपभोग (मूल्यह्रास) | 440	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	(i) दिए गए कथन का खंडन किया जाता है। सभी उपभोग वस्तुएँ टिकाऊ प्रकृति की नहीं होती हैं। उपभोग वस्तुओं को मुख्य रूप से टिकाऊ और गैर-टिकाऊ वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है: गैर-टिकाऊ उपभोग वस्तुओं जैसे खाद्य और पेय पदार्थ, का जीवनकाल अल्प होता है। जबकि टिकाऊ उपभोग वस्तुओं जैसे कार, घरेलू उपकरण का उपयोग सामान्यतः एक वर्ष से अधिक समय तक किया जा सकता है। इसलिए, सभी उपभोग वस्तुएँ टिकाऊ प्रकृति की नही होती हैं। (ii) **राष्ट्रीय आय** (NNP_{FC}) = (i) + (iv) + (ii) + (iii) + (vii) + (vi) – (v) – (x) + (ix) – (viii) = 1,800+2,170+1,150+1,020+1,300+540–720–440+(-250) – 240 = ₹ 6,330 करोड़	
5.	दिनांक 11 अप्रैल, 2023 के The Economic Times के समाचारानुसार ""वित्त वर्ष 2022-23 में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 10 लाख के पार"" इस समाचार का, सकल घरेलू उत्पाद व कल्याण पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का विश्लेषण करें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री का प्रभाव इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-वाहनों) की बढ़ी हुई बिक्री का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और कल्याण दोनों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ई-वाहनों की बिक्री में वृद्धि प्रत्यक्षतया तौर पर अर्थव्यवस्था में मूल्यवर्धन में योगदान करती है, जिसके परिणामस्वरूप सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को सामान्यतः पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है, जिससे वायु प्रदूषण में कमी आ सकती है और सार्वजनिक कल्याण में सुधार हो सकता है।	
6.	(I) (i) "किसी राष्ट्र की राष्ट्रीय आय की गणना करते समय निम्नलिखित को किस प्रकार व्यवहार में लाया जाएगा? मान्य कारण दें।" (i) भारत में विदेशी बैंकों द्वारा अर्जित लाभ । (ii) एक फर्म द्वारा अचल परिसंपत्ति के सुधार पर व्यय। (II) मान लीजिए, किसी वित्तीय वर्ष में एक राष्ट्र का बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद GDP_{MP} ₹ 1,100 करोड़ था। विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय (NFIA) ₹ 100 करोड़, शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (NIT) ₹150 करोड़ तथा राष्ट्रीय आय NNP_{FC} = ₹850 करोड़ थी। उपरोक्त सूचना के आधार पर मूल्यह्रास के मूल्य की गणना करें।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	(I) (i) भारत में विदेशी बैंकों द्वारा अर्जित लाभ को **राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाना चाहिए** क्योंकि यह गैरनिवासियों को भुगतान की जाने वाली कारक आय है। (ii) एक फर्म द्वारा अचल संपत्ति के सुधार पर व्यय को **राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाना चाहिए** क्योंकि यह पूंजी निर्माण का एक हिस्सा है। (II) राष्ट्रीय आय NNP_{FC} = सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP}) - मूल्यह्रास + विदेशों से शुद्ध कारक आय - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर 850 = 1,100 - मूल्यह्रास + 100 - 150 मूल्यह्रास = 1,100 + 100 - 150 - 850 मूल्यह्रास = ₹200 करोड़	

<table>
<tr><td>7.</td><td>(i) "व्यय विधि द्वारा सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का आकलन करते समय, पूरा ध्यान राष्ट्र के निवासियों द्वारा किए गए व्यय पर केन्द्रित होता है।"

क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में मान्य कारण दें।

(ii) निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा घरेलू आय की गणना करें:

<table>
<tr><th>क्रम सं.</th><th>मदें</th><th>राशि (₹ करोड़ में)</th></tr>
<tr><td>(i)</td><td>किराया व रॉयल्टी</td><td>1,300</td></tr>
<tr><td>(ii)</td><td>शुद्ध अप्रत्यक्ष कर</td><td>200</td></tr>
<tr><td>(iii)</td><td>वेतन व मजदूरी (नकद व प्रकार में)</td><td>1,700</td></tr>
<tr><td>(iv)</td><td>निगम कर</td><td>400</td></tr>
<tr><td>(v)</td><td>मूल्यह्रास</td><td>400</td></tr>
<tr><td>(vi)</td><td>प्रतिधारित आय</td><td>300</td></tr>
<tr><td>(vii)</td><td>लाभांश</td><td>400</td></tr>
<tr><td>(viii)</td><td>विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय</td><td>(-) 120</td></tr>
<tr><td>(ix)</td><td>स्वनियोजितों की मिश्रित आय</td><td>1,400</td></tr>
<tr><td>(x)</td><td>स्टॉक में परिवर्तन</td><td>(-) 200</td></tr>
</table>
</td><td>MAIN 2023</td></tr>
<tr><td>मूल्य बिंदु</td><td>(i) नहीं, क्योंकि व्यय विधि द्वारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आकलन करते समय, एक निश्चित अवधि के दौरान, देश की घरेलू सीमा में सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं पर किये गए कुल व्यय को ध्यान में रखा जाता है, चाहे वह निवासियों द्वारा किया गया हो या गैरनिवासियों द्वारा।

(ii) घरेलू आय = (iii) + (i) + (iv) + (vii) + (ix)
= 1,700 + 1300 +400 + 300 + 400 + 1400
= ₹5,500 करोड़</td><td></td></tr>
</table>

इकाई 2 – <मुद्रा एवं बैंकिंग>

	< 1 > **अंक वाले प्रश्न**	MAIN / COMPTT.
1	"श्री सहौत्रा द्वारा एक नए घर के क्रय के लिए बैंक से लिया गया ऋण।" उपरोक्त कथन से मुद्रा के संकेतित कार्य की पहचान करें : (A) विनिमय माध्यम (B) मूल्य संचय (C) खाते की इकाई (D) विलंबित भुगतान के मानक	MAIN 2024
उत्तर	(D) विलंबित भुगतान के मानक	
2.	यदि किसी अर्थव्यवस्था में प्रारंभिक जमा राशि ₹4,000 करोड़ है तथा आरक्षित अनुपात (RR) 10% है। सृजित कुल जमा का मूल्य _____ करोड़ होगा । (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।) (A) 4,000 (B) 40,000 (C) 2,000 (D) 20,000	MAIN 2024
उत्तर	(B) 40,000	
3	"मुद्रा एक ऐसी सम्पत्ति है, जिसे भविष्य के लिए संग्रहित किया जा सकता है।" दिए गए कथन के आलोक में मुद्रा के कार्य की पहचान करें: (सही विकल्प का चयन करें) (a) मूल्य मान (b) स्थगित भुगतान का मानक (c) मूल्य का संचय (d) विनिमय का माध्यम	MAIN 2023

उत्तर	(c)मूल्य का संचय	
4	निम्नलिखित कथनों का ध्यान से अध्ययन करें: कथन 1: भारत में मुद्रा आपूर्ति (M1) में, वाणिज्यिक बैंकों के पास 'माँग जमा' सम्मिलित नहीं होते हैं। कथन 2: मुद्रा आपूर्ति (M1) से तात्पर्य, एक विशेष अवधि के दौरान वाणिज्यिक बैंकों के पास उपलब्ध सम्पत्तियों से है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (a) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है। (b) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	MAIN 2023
उत्तर	(d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं	
	< 4 > **अंक वाले प्रश्न**	
1.	"भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा खुले बाज़ार संचालन से अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को विनियमित करने में सहायता मिल सकती है।" दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध करें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) खुले बाज़ार में सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय/विक्रय द्वारा अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को विनियमित कर सकता है। 1. मुद्रा आपूर्ति कम करना (विक्रय की स्थिति) जब भारतीय रिज़र्व बैंक सरकारी प्रतिभूतियों का विक्रय करता है, तो वाणिज्यिक बैंकों के पास मुद्रा की उपलब्धता में कमी आ जाती है, जिसके कारण उनकी ऋण प्रदान करने की क्षमता कम हो जाती है। परिणामस्वरूप, अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति कम हो जाती है। 2. मुद्रा आपूर्ति बढ़ाना (क्रय की स्थिति) इसके विपरीत, जब भारतीय रिज़र्व बैंक सरकारी प्रतिभूतियाँ क्रय करता है, तो वाणिज्यिक बैंकों के पास मुद्रा की उपलब्धता में वृद्धि हो जाती है, जिससे उनकी ऋण प्रदान करने की क्षमता में वृद्धि हो जाती है। परिणामस्वरूप, अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति बढ़ जाती है।	
2	सरकार के एजेंट व सलाहकार के रूप में केन्द्रीय बैंक की भूमिका की व्याख्या करें।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	**सरकार के एजेंट के रूप में:** केंद्रीय बैंक सरकार की ओर से जमा स्वीकार करता है और भुगतान करता है। उदाहरण के लिए, केंद्रीय बैंक, बॉन्ड, ट्रेजरी बिल आदि जैसी सरकारी प्रतिभूतियाँ जारी करता है। यह इन प्रतिभूतियों के विपणन, रूपांतरण या मोचन से संबंधित सभी व्यवस्थाएँ करता है। यह सरकार की ओर से राष्ट्रीय ऋण का प्रबंधन करता है। **सरकार के वित्तीय सलाहकार के रूप में:** केंद्रीय बैंक सरकार को सभी आर्थिक, वित्तीय और मौद्रिक मामलों पर सलाह देता है।	
3	रिवर्स रेपो दर को परिभाषित करें। संक्षेप में व्याख्या करें, किस प्रकार यह उपकरण वाणिज्यिक बैंकों द्वारा की गई साख सृजन को नियंत्रित करता है।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	**रिवर्स रेपो दर की परिभाषा:** रिवर्स रेपो दर ब्याज की वह दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपने अधिशेष धन को केंद्रीय बैंक के पास जमा कर सकते हैं। **साख सृजन का नियंत्रण:** वाणिज्यिक बैंकों की साख सृजन क्षमता को नियंत्रित करने के लिए, केंद्रीय बैंक रिवर्स रेपो दर बढ़ा/कम कर देता है। यह वाणिज्यिक बैंकों द्वारा केंद्रीय बैंक को अधिक/कम धन हस्तांतरित करने के लिए प्रेरित करता है, जो वाणिज्यिक बैंकों की उधार देने की क्षमता को कम / अधिक कर देता है। परिणामस्वरूप, वाणिज्यिक बैंकों की साख सृजन क्षमता कम / अधिक हो जाती है।	
	< 6 > **अंक वाले प्रश्न**	
1.	(क) "किसी राष्ट्र में, नियमित आर्थिक संचालन, सुचारु आर्थिक गतिविधियां लेनदेन को सुविधाजनक बनाने के लिए विनियम के एक स्थिर माध्यम पर निर्भर करता है।" मुद्रा के निर्दिष्ट कार्य पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। (ख) मुद्रा आपूर्ति के M1 माप का अर्थ व घटकों का उल्लेख कीजिए। (ग) साख गुणक की गणना करने का सूत्र लिखिए। आरक्षित अनुपात	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	(क) मुद्रा का निर्दिष्ट कार्य 'विनिमय का माध्यम' है। किसी भी लेन-देन के लिए मुद्रा एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य माध्यम के रूप में कार्य करती है। मुद्रा वस्तुओं और सेवाओं के क्रय/विक्रय के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य करती है। यह बाजार में विनिमय को सुविधाजनक बनाकर आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की सीमा को समाप्त करती है। (ख) मुद्रा आपूर्ति का M1 माप अर्थव्यवस्था में किसी विशेष समय पर जनता के पास रखी गई मुद्रा की कुल मात्रा को संदर्भित करता है। इसे लेन-देन (या संकीर्ण) मुद्रा भी कहा जाता है। मुद्रा आपूर्ति के M1 माप के दो मुख्य घटक हैं:	

	• जनता द्वारा रखी गई करेंसी (नोट और सिक्के) • वाणिज्यिक बैंकों द्वारा रखी गई शुद्ध मांग जमा **(ग)** साख गुणक = $\frac{1}{\text{आरक्षित अनुपात}}$	

इकाई 3 – <आय तथा रोज़गार का निर्धारण>

	< 1 > **अंक वाले प्रश्न**	MAIN / COMPTT.
1.	पहचान कीजिए कि, निम्नलिखित में से कौन-सा एक सार्वजनिक वस्तु को वर्णित नहीं करता है। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) सरकार द्वारा उपलब्ध कराई नि:शुल्क टीके (वैक्सीन) (B) सेना द्वार प्रदत्त रक्षा सेवाएँ (C) किसी व्यक्ति द्वारा रेलवे टिकट का क्रय (D) किसी शहर द्वारा स्थापित स्ट्रीट लाइट (Street Light)	MAIN 2025
उत्तर	(C) किसी व्यक्ति द्वारा रेलवे टिकट का क्रय	
2	निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए : कथन 1: अवस्फीतिकारी अंतराल के दौरान, किसी राष्ट्र का केंद्रीय बैंक रेपो (Repo) दर में वृद्धि कर सकता है। कथन 2: सरकार खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों (G-Sec) के क्रय द्वारा अवस्फीतिकारी अंतराल को कम कर सकती है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है (B) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	MAIN 2025
	(D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं	
3.	कीन्स के सिद्धांत के अंतर्गत, 'संदर्भ रेखा' (Reference line) मूल बिंदु से _____कोण पर खींची जाने वाली एक सीधी रेखा है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) 25° (B) 45° (C) 55° (D) 75°	MAIN 2025
उत्तर	(B) 45°	
4.	निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए : कथन 1: सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) प्रति आय इकाई उपभोग को प्रदर्शित करता है। कथन 2: जैसे-जैसे किसी देश की राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है, उपभोग में आनुपातिक वृद्धि सदैव आय में वृद्धि से अधिक होती है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है (B) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	MAIN 2025
उत्तर	(D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	
5.	किसी द्वि-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में, _____ को जोड़कर समग्र पूर्ति का निर्धारण किया जा सकता है। (रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) उपभोग, निवेश (B) निवेश, बचत (C) उपभोग, बचत (D) बचत, निर्यात	MAIN 2025
उत्तर	(C) उपभोग, बचत	
6.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : कथन 1 : वास्तविक बचत व वास्तविक निवेश आय के सभी स्तरों पर बराबर होते हैं। कथन 2 : प्रभावी माँग सिद्धांत के अनुसार, साम्य उत्पादन प्रत्याक्षित समग्र माँग (AD) के बराबर होता है।	MAIN 2024

	दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (A) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है (B) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं (D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं	
उत्तर	(C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं।	
7.	एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में, यदि संपूर्ण अतिरिक्त आय का उपभोग किया जाता है, तो निवेश गुणक का मूल्य _____ होगा। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।) (A) इकाई (1) (B) शून्य (0) (C) शून्य (0) व इकाई (1) के मध्य. (D) अनंत (∞)	MAIN 2024
उत्तर	(D) अनंत (∞)	
8.	दी गई तालिका द्वारा, आय के उस स्तर की पहचान करें, जहाँ औसत बचत प्रवृत्ति (APS) शून्य होगी: (सही विकल्प का चयन करें ।) आय (₹ करोड़) | 0 | 50 | 100 | 200 | 300 | 400 उपभोग (₹ करोड़) | 50 | 75 | 100 | 150 | 200 | 250 विकल्प :- (A) 50 (B) 100 (C) 200 (D) 0	MAIN 2024
उत्तर	(B) 100	
9.	पहचान करें, दी गई आकृति में छायांकित क्षेत्र (AEFG) क्या दर्शाता है ? 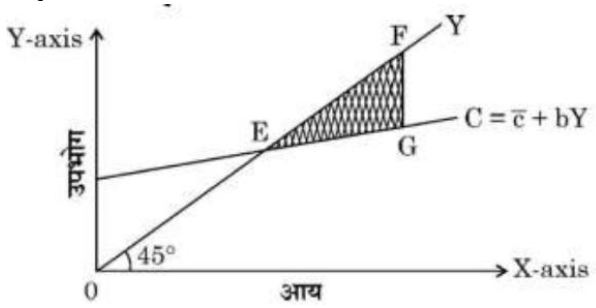 I. उपभोग = आय II. बचत = शून्य (0) III. उपभोग > आय IV. बचत < शून्य (0) विकल्प : (A) I व II (B) II व III (C) III व IV (D) I व IV	MAIN 2024
उत्तर	(B) II व III या (C) III व IV	
10.	सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) _____ फलन का ढलान होता है। (सही विकल्प का चयन करें ।) (A) उपभोग (B) लागत (C) बचत (D) निवेश	MAIN 2024/VI
उत्तर	(C) बचत	
11	निम्नलिखित कथनों का ध्यान से अध्ययन करें: कथन 1: किसी द्वि-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में, उपभोग व्यय व निवेश व्यय समग्र माँग के दो घटक होते हैं। कथन 2: समग्र माँग वक्र सदैव मूलबिंदु से धनात्मक ढाल का होता है।	MAIN 2023

	दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (a) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है। (b) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	
उत्तर	(a) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है।	
12	यदि किसी अर्थव्यवस्था में निवेश गुणक 4 तथा स्वायत्त उपभोग ₹ 30 करोड़ हैं, तो प्रासंगिक उपभोग फलन _____ होगा। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें) (a) C = 30+0.75Y (b) C = (-) 30 + 0.25Y (c) C = 30+0.25Y (d) C = (-) 30-0.25Y	MAIN 2023
उत्तर	(a) C = 30+0.75Y	
13	यदि राष्ट्रीय आय में वृद्धि व बचत में वृद्धि बराबर हैं, तो सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) का मूल्य _____ होगा। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें) (a) इकाई के बराबर (b) इकाई से अधिक (c) इकाई से कम (d) शून्य के बराबर	MAIN 2023
उत्तर	(d)शून्य के बराबर	
14	निम्नलिखित कथन को पढ़ें- अभिकथन (A) और कारण (R) नीचे दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनें : अभिकथन (A): पूर्ण रोजगार से तात्पर्य, अनैच्छिक बेरोजगारी के अभाव से है। कारण (R): पूर्ण रोजगार की स्थिति में, प्रचलित मजदूरी दर पर सभी सक्षम व इच्छुक व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त होता है विकल्प: (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (b) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (c) अभिकथन (A) सत्य है लेकिन कारण (R) असत्य है (d) अभिकथन (A) असत्य है लेकिन कारण (R) सत्य है	MAIN 2023
उत्तर	(a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	
15	एक अर्थव्यवस्था में सीमान्त बचत प्रवृत्ति (MPS)का मूल्य 0.25 है। यदि निवेश में वृद्धि ₹ 200 करोड़ है, तो आय में वृद्धि का मूल्य क्या होगा? (a) ₹200 करोड़ (b) ₹150 करोड़ (c) ₹1,000 करोड़ (d) ₹800 करोड़	MAIN 2023
उत्तर	(d) ₹800 करोड़	
	< 4 > **अंक वाले प्रश्न**	
1.	मान लीजिए कि, दो काल्पनिक अर्थव्यवस्थाओं A व B के लिए, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) का मान क्रमशः 0.8 व 0.6 है। दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए, स्वायत्त उपभोग ($\bar{c}$) = ₹ 400 करोड़ है तथा निवेश व्यय (I) = ₹ 2,000 करोड़ है। निम्नलिखित की गणना कीजिए : (क) अर्थव्यवस्था A के लिए आय का सम स्तर (Break-even level) (ख) अर्थव्यवस्था B के लिए आय का संतुलन स्तर	MAIN 2025

मूल्य बिंदु	दिया गया है: स्वायत्त उपभोग ($\bar{c}$) : ₹ 400 करोड़ निवेश व्यय (I): ₹ 2000 करोड़ (क) अर्थव्यवस्था A के लिए संतुलन स्तर अर्थव्यवस्था A के लिए, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = 0.8 प्रश्न में दी गई स्थिति के अनुसार, अर्थव्यवस्था A में संतुलन स्तर पर Y = C (यानी, निवेश (I) शून्य है: $Y = (\bar{c}) + (MPC)\ Y$ $Y = 400 + 0.8Y$ Y = ₹ 2,000 करोड़ (ख) अर्थव्यवस्था B के लिए आय का संतुलन स्तर अर्थव्यवस्था B के लिए, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = 0.6 संतुलन स्तर पर, Y = C + I $Y = (\bar{c}) + (MPC)\ Y + I$ $Y = 400 + 0.6Y + 2000$ Y = ₹ 6,000 करोड़	
2.	"एक अर्थव्यवस्था में समग्र माँग में उल्लेखनीय कमी ने देश के भविष्य की विकास संभावनाओं के बारे में चिंताएँ उत्पन्न कर दी हैं यह आर्थिक मंदी गृहस्थों के विश्वास में वृद्धि करने तथा आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए रणनीतिक उपायों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है।" उपयुक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर उन उपायों की व्याख्या कीजिए जिन्हें सरकार निर्दिष्ट स्थिति को स्थिर करने के लिए कर सकती है।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	उपर्युक्त इंगित की गई स्थिति 'अपस्फीति' है, जो अर्थव्यवस्था में समग्र मांग में कमी का परिणाम है। अपस्फीति को नियंत्रित करने के लिए, सरकार निम्नलिखित उपाय कर सकती है: • सरकार करों की दरों को कम कर सकती है, जिससे आम जनता के हाथों में प्रयोज्य आय यानी क्रय शक्ति बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, इससे समग्र मांग में वृद्धि हो सकती है, जिससे अपस्फीति की स्थिति ठीक हो सकती है। सरकार सार्वजनिक व्यय में वृद्धि कर सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था में आय का स्तर बढ़ सकता है। परिणामस्वरूप, इससे समग्र मांग में वृद्धि हो सकती है, जिससे अपस्फीति की स्थिति ठीक हो सकती है।	
3.	मान लीजिए, एक अर्थव्यवस्था संतुलन में है। निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा अर्थव्यवस्था में निवेश व्यय की गणना करें: (a) राष्ट्रीय आय (Y)=₹10,000 करोड़ (b) सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC)=0.8 (c) स्वायत्त उपभोग $(\bar{c})$=₹100 करोड़	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	**दिया गया है:** • **राष्ट्रीय आय (Y)** = ₹ 10,000 करोड़ • **सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC)** = 0.8 • **स्वायत्त उपभोग** $(\bar{c})$ = ₹ 100 करोड़ संतुलन की स्थिति में, राष्ट्रीय आय समीकरण है: Y = C + I जहाँ **उपभोग (C)** को $C = (\bar{c}) + (MPC)\ Y$ के रूप में व्यक्त किया जाता है। समीकरण में उपभोग फलन का मान रखने पर: $Y = c + (MPC)\ Y + I$ $10,000 = 100 + (0.8)\ 10,000 + I$ $10,000 = 100 + 8,000 + I$ $10,000 = 8,100 + I$ $I = 10,000 - 8,100$ I = ₹ 1,900 करोड़ **अतः, संतुलन के स्तर पर निवेश (I) = ₹ 1,900 करोड़ है।**	
4.	**(i)** ""मुद्रास्फीति को कम करने के उद्देश्य से, सरकार सार्वजनिक व्यय को कम सकती है।" सरकार द्वारा उठाए जा सकने वाले, इस प्रकार के कदम के तर्काधार की चर्चा करें। **(ii)** प्रभावी माँग के सिद्धांत को परिभाषित करें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	(i) सरकार अपनी सार्वजनिक व्यय नीति के माध्यम से मुद्रास्फीति की स्थिति को नियंत्रित कर सकती है। सरकार द्वारा सार्वजनिक व्यय कम करने से अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में कमी आएगी। परिणामस्वरूप, इससे समग्र मांग के स्तर में कमी आती है। यह कदम अर्थव्यवस्था में व्याप्त मुद्रास्फीति की स्थिति का सामना करने में मदद करता है।	

	(ii) प्रभावी मांग सिद्धांत समग्र मांग के उस स्तर को दर्शाता है, जिसे अर्थव्यवस्था में अनुरूप समग्र पूर्ति द्वारा पूरा किया जा सकता है।	
5.	(i) "मालसूची के अनभिप्रेत संचय" के अर्थ का उल्लेख करें । **(ii)** "एक अर्थव्यवस्था में, समग्र माँग (AD) समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है।" उत्पादन, आय व रोजगार के स्तर पर इसके संभावित प्रभावों को विस्तार से समझाएँ ।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	(i) मालसूची के अनअभिप्रेत संचय से तात्पर्य बिक्री में अप्रत्याशित गिरावट के कारण फ़र्मों के पास अनबिके माल के स्टॉक में वृद्धि से है। **(ii)** जब समग्र मांग (Aggregate Demand) समग्र पूर्ति (Aggregate Supply) से अधिक होती है, तो इसका अर्थ है कि परिवार और फ़र्में अर्थव्यवस्था में उपलब्ध उत्पादन की अपेक्षा अधिक उपभोग करने की योजना बना रहे हैं। इससे मालसूची (inventory) में अनपेक्षित कमी आएगी। मालसूची के वांछित स्तर को बहाल करने के लिए, फ़र्में उत्पादन का विस्तार करने की योजना बना सकती हैं। परिणामस्वरूप, अर्थव्यवस्था में उत्पादन, रोज़गार और आय के स्तर में वृद्धि हो सकती है।	
6.	किसी अर्थव्यवस्था में, यदि नियोजित बचत नियोजित निवेश से अधिक है, तो आय, उत्पादन व रोजगार पर इसके संभावित प्रभाव की व्याख्या करें।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	जब नियोजित बचत नियोजित निवेश से अधिक होती है तो इसका यह अर्थ है कि गृहस्थ उस अपेक्षा से कम उपभोग करने की योजना बना रहे हैं जो फर्मों ने उनसे उपभोग करने की अपेक्षा की थी। इससे मालसूची का अनपेक्षित संचय होगा। मालसूची के वांछित/इच्छित स्तर को बनाये रखने के लिए, उत्पादक, उत्पादन को कम कर सकते हैं जिससे रोजगार, उत्पादन और आय स्तर में कमी होती है।	
7.	6 अगस्त, 2022 को "The Hindu' में प्रकाशित निम्नलिखित समाचार के अनुसारः "भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने रेपो दर में 50 आधार अंकों की वृद्धि की है।" भारतीय रिजर्व बैंक की इस प्रकार की कार्यवाही के पीछे के संभावित कारण व परिणामों की पहचान व व्याख्या करें।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) द्वारा रेपो दर में वृद्धि के पीछे अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति का कारण हो सकता है। यह कदम वाणिज्यिक बैंकों को ब्याज की दरों में वृद्धि करने के लिए बाध्य करता है। यह आम जनता को ऋण लेने के लिए हतोत्साहित करता है। इससे समग्र मांग में कमी आती है और इस प्रकार मुद्रास्फीति में कमी आ सकती है।	

इकाई 4 – <सरकारी बजट तथा अर्थव्यवस्था>

	< 1 > MARK QUESTIONS	MAIN / COMPTT.
1.	2023 - 24 के केंद्रीय बजट में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, सरकार की कुल प्राप्तियाँ (ऋण के अतिरिक्त) तथा कुल व्यय क्रमशः ₹ 20 लाख करोड़ तथा ₹ 45 लाख करोड़ अनुमानित हैं। अतः _____ घाटे का मूल्य ₹ 25 लाख करोड़ होगा। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) राजस्व (B) राजकोषीय (C) व्यापार (D) प्राथमिक	MAIN 2025
उत्तर	(B) राजकोषीय	
	< 3 > **अंक वाले प्रश्न**	
1.	"भारत के आर्थिक सर्वेक्षण 2022 – 23 के अनुसार, भू-राजनीतिक संघर्ष के प्रादुर्भाव के कारण उर्वरक व ईंधन के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में वृद्धि हुई थी। अतः लोगों की सहायता सुनिश्चित करने के लिए ईंधन व उर्वरक उपदान की आवश्यकताओं में बढ़ोतरी हुई थी।" दिए गए गद्य के आधार पर, सरकार की इंगित बजट उद्देश्य की पहचान व व्याख्या कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	सरकार के इंगित बजट का एक उद्देश्य 'स्थिरीकरण कार्य' है। स्थिरीकरण कार्य का उद्देश्य सरकार की कराधान और व्यय नीति के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यों में बड़े पैमाने पर उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करना है। सरकार मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए ईंधन और उर्वरक उपदान प्रदान करने पर व्यय कर सकती है।	
	< 6 > **अंक वाले प्रश्न**	

1	दिए गए चित्र का सावधानी से अध्ययन करें।" 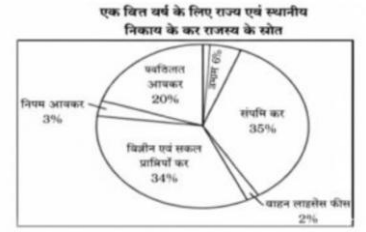 दिए गए चित्र व सामान्य ज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: **(a)** चित्र में दी गई मदों को कर/ गैर-कर प्राप्तियों में वर्गीकृत करें। **(b)** "सरकार ने निर्धनों को शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी निःशुल्क सेवाएँ प्रदान करने पर अधिक व्यय करना प्रारंभ कर दिया है।" उपरोक्त कथन के आलोक में, व्याख्या करें कि 'आय की असमानताओं को कम करने के लिए' सरकार बजटीय नीतियों का किस प्रकार प्रयोग कर सकती है।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	(a) **कर प्राप्तियां** - व्यक्तिगत आयकर, संपत्ति कर, निगम आयकर और विक्रय एवं सकल प्राप्तियां कर **गैर-कर प्राप्तियां** - वाहन लाइसेंस फीस और जुर्माना **(b)** सरकार की बजटीय नीति के दो आयाम हैं- कराधान और सार्वजनिक व्यय। आय और संपत्ति में असमानताओं को कम करने के लिए, सरकार एक ऐसी व्यय नीति अपना सकती है जो निम्न आय वर्ग के पक्ष में हो। गरीबों को शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मुफ्त सेवाएं प्रदान करने पर सरकारी व्यय उनकी प्रयोज्य आय को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। परिणामस्वरूप, सरकार अपनी बजटीय नीतियों के माध्यम से आय की असमानताओं को कम कर सकती है।	

इकाई 5 – <भुगतान संतुलन>

	< 1 > अंक वाले प्रश्न	MAIN / COMPTT.
1.	विदेशी विनिमय दर निर्धारण में माँग व पूर्ति की बाजार शक्तियाँ _____विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत सक्रिय रूप से परस्पर क्रिया करती हैं। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) स्थिर (B) नम्य (C) प्रबंधित तिरती (D) स्थिर तिरती	MAIN 2025
उत्तर	(B) नम्य	
2	निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए : कथन 1: किसी सरकार के लिए विदेशी सहायता (Foreign aids) पूंजीगत प्राप्तियाँ होती हैं। कथन 2: विनिवेश से सरकार की परिसंपत्तियों में कमी आ सकती है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है (B) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	MAIN 2025
उत्तर	(C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं।	
3.	निम्नलिखित में से उस स्थिति को पहचानिए, जो किसी राष्ट्र के भुगतान संतुलन (BOP) खाते में चालू खाते अधिशेष (CAS) को इंगित करती है। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) चालू खाते की प्राप्तियों का चालू खाते के भुगतानों पर आधिक्य (B) चालू खाते की प्राप्तियों का चालू खाते के भुगतानों में समानता (C) चालू खाते की प्राप्तियों का चालू खाते के भुगतानों पर आधिक्य (D) चालू खाते की प्राप्तियों का पूँजी खाते के भुगतानों पर आधिक्य	MAIN 2025
उत्तर	(A) चालू खाते की प्राप्तियों का चालू खाते के भुगतानों पर आधिक्य	

4.	निम्नलिखित में से उन सही कारणों की पहचान करें, जो किसी भी अर्थव्यवस्था में विदेशी मुद्रा की आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं : I. इंग्लैंड में एक भारतीय द्वारा क्रय जमीन II. ताजमहल देखने आये विदेशी पर्यटक III. Microsoft द्वारा US $ 500 मिलियन का दान IV. अध्ययन हेतु ऑस्ट्रेलिया जाने वाले भारतीय छात्र विकल्प : (A) I व II (B) II व IV (C) II व III (D) I व IV	MAIN 2024
उत्तर	(C) II व III	
5.	भुगतान संतुलन के घाटे का मापन _____ लेन-देन के आधार पर होता है। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।) (A) स्वायत्त (B) समायोजन (C) चालू खाता (D) पूँजी खाता	MAIN 2024
उत्तर	(A) स्वायत्त	
6	"अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय मुद्रा के मूल्यह्रास को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक ने खुले बाजार में भारतीय मुद्रा (₹) को क्रय करने का निर्णय लिया है।" यह _____ विनिमय दर प्रणाली को इंगित करता है। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें) (a) स्थिर (b) नम्य (c) प्रबंधित तिरती (d) हेर-फेर	MAIN 2023
उत्तर	(c)प्रबंधित तिरती	
7	भुगतान संतुलन में 'घाटे' से तात्पर्य_____ पर अधिकता से है। (सही विकल्प का चयन करें) (a) चालू खाता भुगतानों की चालू खाता प्राप्तियों (b) पूँजीगत खाता भुगतानों की पूँजीगत खाता प्राप्तियों (c) स्वायत्त भुगतानों की स्वायत्त प्राप्तियों (d) समायोजित भुगतानों की समायोजित प्राप्तियों	MAIN 2023
उत्तर	(c) स्वायत्त भुगतानों की स्वायत्त प्राप्तियों	
8	मान लीजिए, एक ब्रिटिश पाउंड (£) का मूल्य, बाजार ताकतों के कारण, ₹70 से बढ़कर ₹ 80 हो गया है। इसके अनुसार भारतीय मुद्रा (₹) के मूल्य में_____ हुआ है। (सही विकल्प का चयन करें) (a) मूल्यवर्धन (b) मूल्यह्रास (c) पुनर्मूल्यन (d) अवमूल्यन	MAIN 2023
उत्तर	(b) मूल्यह्रास	
9	मान लीजिए, राष्ट्र Y की तुलना में राष्ट्र X में मुद्रास्फीति अधिक है। इस संदर्भ में, अन्य बातें समान रहने पर, निम्नलिखित में से किस परिस्थिति के होने की संभावना सर्वाधिक है ? (सही विकल्प का चयन करें) (a) राष्ट्र X में व्यापार संतुलन अधिशेष (b) राष्ट्र X में व्यापार संतुलन घाटा (c) राष्ट्र X से राष्ट्र Y में निर्यात में वृद्धि (d) राष्ट्र Y में व्यापार संतुलन घाटा	MAIN 2023
उत्तर	(b) राष्ट्र X में व्यापार संतुलन घाटा	
	< 3 > अंक वाले प्रश्न	

1.	मान्य कारणों द्वारा, उल्लेख करें कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: (i) विदेशों में निवेश से प्राप्त लाभांश, पूँजी खाते के क्रेडिट पक्ष में दर्ज होता है (ii) भारतीय मुद्रा के मूल्यह्रास से भारतीय निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	(i) असत्य। विदेशों में निवेश से प्राप्त लाभांश को चालू खाते के क्रेडिट पक्ष में दर्ज किया जाता है क्योंकि इससे देश की न तो संपत्ति और न ही देनदारियां प्रभावित होती हैं। (ii) सत्य। भारतीय मुद्रा के मूल्यह्रास से भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि वे भारतीय निर्यात शेष विश्व के लिए अपेक्षाकृत सस्ते हो जाते हैं। जिससे भारतीय निर्यात की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है।	
	< 4 > अंक वाले प्रश्न	
1.	"एक अर्थव्यवस्था में समग्र माँग में उल्लेखनीय कमी ने देश के भविष्य की विकास संभावनाओं के बारे में चिंताएँ उत्पन्न कर दी हैं यह आर्थिक मंदी गृहस्थों के विश्वास में वृद्धि करने तथा आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए रणनीतिक उपायों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है।" उपयुक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर उन उपायों की व्याख्या कीजिए जिन्हें सरकार निर्दिष्ट स्थिति को स्थिर करने के लिए कर सकती है।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	उपर्युक्त इंगित की गई स्थिति 'अपस्फीति' है, जो अर्थव्यवस्था में समग्र मांग में कमी का परिणाम है। अपस्फीति को नियंत्रित करने के लिए, सरकार निम्नलिखित उपाय कर सकती है: • सरकार करों की दरों को कम कर सकती है, जिससे आम जनता के हाथों में प्रयोज्य आय यानी क्रय शक्ति बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, इससे समग्र मांग में वृद्धि हो सकती है, जिससे अपस्फीति की स्थिति ठीक हो सकती है। सरकार सार्वजनिक व्यय में वृद्धि कर सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था में आय का स्तर बढ़ सकता है। परिणामस्वरूप, इससे समग्र मांग में वृद्धि हो सकती है, जिससे अपस्फीति की स्थिति ठीक हो सकती है।	
2.	व्याख्या कीजिए कि, स्वायत्त लेन – देन किस प्रकार समायोजन लेन – देन से भिन्न होते हैं।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	उत्तर: स्वायत्त लेनदेन वे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक लेन-देन हैं जो भुगतान संतुलन (BOP) की स्थिति से स्वतंत्र होते हैं। ये लेन-देन सामान्यतः 'आर्थिक उद्देश्य' से किए जाते हैं। ऐसे लेन-देन को BOP खाते में 'रेखा से ऊपर' की मदें कहा जाता है। जबकि; समायोजन लेन-देन वे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक लेन-देन हैं जो भुगतान संतुलन (BOP) में अधिशेष या घाटे को पूरा करने के लिए (सक्षम अधिकारियों द्वारा) किए जाते हैं। ये लेन-देन किसी भी आर्थिक उद्देश्य से स्वतंत्र होते हैं। ऐसे लेन-देन को BOP खाते में 'रेखा से नीचे' की मदें कहा जाता है।	

भाग – ख – भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास

इकाई 6 – <विकास अनुभव (1947-90) तथा 1991 के उपरांत आर्थिक सुधार >

	< 1 > **अंक वाले प्रश्न**	MAIN / COMPTT.
1.	स्वतंत्रता उपरांत युग में, भारत के नीति निर्माताओं ने प्रथम _____ पंचवर्षीय योजनाओं के लिए 'आत्मनिर्भरता' पर जोर दिया था। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) 6 (B) 7 (C) 8 (D) 9	MAIN 2025
उत्तर	(B) 7	
2	निम्नलिखित कथनों अभिकथन (A) और कारण (R) का अध्ययन कीजिए। **अभिकथन (A):** 1991 में प्रारंभ किए गए वित्तीय क्षेत्र सुधारों के अंतर्गत, बैंकों में विदेशी निवेश की सीमा लगभग 74% तक बढ़ा दी गई थी। **कारण (R):** 1991 के उपरांत, विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) को भारतीय वित्तीय बाजारों में निवेश करने की अनुमति दे दी गई थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए) विकल्प : (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है।	MAIN 2025

	(D) अभिकथन (A) असत्य है, लेकिन कारण (R) सत्य है।	
उत्तर	(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।	
3.	निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए : कथन 1 : ब्रिटिश नीतियों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था के द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में रोजगार सृजन हुआ था। कथन 2 : औपनिवेशिक सरकार के संरचनात्मक ढांचे के विकास का वास्तविक उद्देश्य भारतीय हितों को लाभान्वित करना था। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : विकल्प:- (A) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	MAIN 2025
उत्तर	(D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	
4.	निम्न कथनों को पढ़िए: अभिकथन (A) एवं कारण (R) । नीचे दिए विकल्पों से सही विकल्प चुनिए : अभिकथन (A) : ब्रिटिश शासन के दौरान भारत एक मजबूत औद्योगिक आधार विकसित नहीं कर पाया था। कारण (R) : अंग्रेजों ने प्रतिबंधात्मक व्यापार नीतियों का पालन किया था, जिससे भारतीय हस्तशिल्प उद्योगों को मजबूती मिली। विकल्प : (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, लेकिन कारण (R) सत्य है।	MAIN 2024
उत्तर	(C) अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है।	
5.	स्वतंत्रता उपरांत भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में आधुनिकीकरण के चयन के पीछे तर्काधार थे। I. सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाना II. आय का समान वितरण III. प्रौद्योगिक उन्नयन IV. आर्थिक विभाजन में वृद्धि विकल्प : (A) I व II (B) II व III (C) I व III (D) I व IV	MAIN 2024
उत्तर	(C) I व III	
6.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : कथन 1: बाह्य प्रापण वैश्वीकरण प्रक्रिया के महत्त्वपूर्ण परिणामों में से एक है। कथन 2: वैश्वीकरण के कारण, कई भारतीय कम्पनियों ने विदेशों में अपने व्यापार में वृद्धि की है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (A) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	MAIN 2024
उत्तर	(C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं।	
7	भारत में ब्रिटिश शासन के अंर्तगत, भारतीय कृषि उत्पाद में _____ के कारण गतिहीनता का अनुभव किया गया था। (a) हस्तशिल्प में कमी (b) भारतीय सम्पतियों की निकासी (c) भू-व्यवस्था (d) रेलवे के आगमन	MAIN 2023

उत्तर	(c) भू-व्यवस्था	
8	प्रथम चरण में आरंभ की गई हरित क्रांति के दौरान उत्पादन केवल _____ तक सीमित था। (सही विकल्प का चयन करें) (a) अनाज व दालों (b) गेहूं व चावल (c) कपास व जूट (d) ज्वार व बाजरा	MAIN 2023
उत्तर	(b) गेहूं व चावल	
9	_____ को भारतीय योजना के निर्माता के रूप में जाना जाता है। (a) जवाहरलाल नेहरू (b) पी.सी. महलनोबिस (c) डॉ. मनमोहन सिंह (d) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	MAIN 2023
उत्तर	(b) पी.सी. महलनोबिस	
	< 3 > अंक वाले प्रश्न	
1.	"भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन ने व्यवस्थित आर्थिक शोषण किया था, जिसमें ब्रिटेन को लाभ पहुँचाने के लिए, भारत के संसाधनों व संपत्ति का दोहन सम्मिलित था।" वैध स्पष्टीकरण द्वारा दिए गए कथन की पुष्टि कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	औपनिवेशिक काल के दौरान, भारत को कच्चे माल के निर्यातक और ब्रिटेन से तैयार औद्योगिक उत्पादों के आयातक के रूप में परिवर्तित कर दिया गया था। इस प्रकार, देश के संसाधनों और संपत्ति का दोहन किया गया और उनको ब्रिटेन की ओर अप्रवाहित कर दिया गया। हालाँकि भारत निर्यात अधिशेष उत्पन्न करने में सक्षम रहा था, परंतु इससे भारत में स्वर्ण या चांदी का कोई भी प्रवाह नहीं हुआ। इसके बजाय, इस अधिशेष का उपयोग निम्नलिखित के लिए किया गया: • ब्रिटेन की औपनिवेशिक सरकार द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था के लिए किए गए व्ययों। • युद्धों पर व्यय। • अदृश्य मदों (Invisible Items) के आयात के लिए। इन सभी कारणों से भारतीय संपत्ति का ब्रिटेन में अप्रवाह हुआ था।	
2.	"1991 के सुधारों के अंतर्गत भारत की विनिवेश नीति में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) में सरकार की हिस्सेदारी की बिक्री सम्मिलित थी।" इस निर्णय को लेने के पीछे सरकार के तर्क स्पष्ट कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	1991 के सुधारों के अंतर्गत भारत की विनिवेश नीति का औचित्य मुख्य रूप से वित्तीय अनुशासन में सुधार और आधुनिकीकरण को सुविधाजनक बनाना था। यह भी परिकल्पना की गई थी कि निजी पूँजी और प्रबंधकीय क्षमताओं का प्रभावी ढंग से उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह को मज़बूत प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए किया जा सकता है।	
3.	"1991 के आर्थिक सुधारों के दौरान भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई व्यापार और निवेश नीति में स्थानीय उद्योगों के संदर्भ में कुछ प्रमुख निर्णय सम्मिलित थे।" किन्हीं दो प्रमुख निर्णयों और भारतीय अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभावों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	1991 के दौरान भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए व्यापार और निवेश नीति सुधारों का उद्देश्य मात्रात्मक प्रतिबंधों की संरचना को खत्म करना और प्रशुल्क दरों में कमी करना था। इस नीति के उदारीकरण से अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भारतीय वस्तुओं की प्रतिस्पर्धी स्थिति में वृद्धि हुई और विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी का प्रवाह बढ़ा।	
4.	"भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के परिणामस्वरूप भारतीय स्वदेशी उद्योगों का व्यवस्थित रूप से विऔद्योगीकरण हुआ था।" वैध तर्कों द्वारा अंग्रेजों के दोहरे उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का दोहरा उद्देश्य था: • भारत को ब्रिटेन में विकसित हो रहे आधुनिक उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल के मात्र निर्यातक बनाना। • भारत को अपने तैयार उत्पादों के लिए एक विशाल बाजार में बदलना ताकि अपने देश का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सके।	
5.	"स्वेज 'नहर के खुलने से भारत के विदेशी व्यापार पर ब्रिटिश एकाधिकारी नियंत्रण स्थापित करने में सहायता मिली थी ।' वैध तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध करें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	स्वेज नहर के खुलने से ब्रिटेन और भारत के बीच चलने वाले जहाज़ों के लिए एक सीधा और छोटा व्यापार मार्ग उपलब्ध हो गया था, व अफ्रीका का चक्कर काटने की आवश्यकता से बचा जा सकता था। इस प्रकार, इसने भारत के विदेशी व्यापार पर ब्रिटिश नियंत्रण को और अधिक मज़बूत कर दिया, क्योंकि इससे परिवहन की लागत कम हो गई और भारतीय बाज़ार तक उनकी पहुँच आसान हो गई थी।	
6.	ब्रिटिश शासन के दौरान रेलवे के विकास ने भारतीय संसाधनों के औपनिवेशिक शोषण को प्रोत्साहित किया था।" वैध तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध करें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	ब्रिटिश शासन के दौरान रेलवे के विकास ने भारतीय कृषि के व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया, जिसने ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं की आत्मनिर्भरता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था। रेलवे के माध्यम से, प्राथमिक उत्पादों को निकटतम बंदरगाहों तक पहुँचाया गया था, जो भारतीय संपत्ति के निकास का एक कारण बना, क्योंकि इस निर्यात अधिशेष के	

	परिणामस्वरूप भारत में सोने या चाँदी का कोई प्रवाह नहीं हुआ था। इसलिए, देश के भारी आर्थिक नुकसान, रेलवे की शुरुआत से होने वाले लाभ से कहीं अधिक थे।	
	< 4 > **अंक वाले प्रश्न**	
1	(i)'निजीकरण' का अर्थ लिखें। (ii) 'आर्थिक सुधार प्रक्रिया से कृषि क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव हुआ है।' टिप्पणी करें।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	(i) निजीकरण का तात्पर्य है, किसी सार्वजनिक उपक्रम के स्वामित्व या प्रबंधन का सरकार द्वारा परित्याग। (ii) भारत में आर्थिक सुधार प्रक्रिया से कृषि क्षेत्र प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ क्योंकि कृषि क्षेत्र में विशेषकर आधारभूत संरचना में सार्वजनिक निवेश काफी हद तक कम हो गया है। इसके अतिरिक्त, उर्वरक सब्सिडी को आंशिक रूप से हटाने से उत्पादन की लागत में वृद्धि हुई है, जिसने छोटे और सीमांत किसानों को बुरी तरह प्रभावित किया है। साथ ही, कृषि क्षेत्र का घरेलू बाजार के लिए उत्पादन से निर्यातोन्मुख उत्पादन की ओर स्थानांतरित होने के कारण नकदी फसलों पर ध्यान केंद्रित हुआ है जिससे खाद्यान्नों की कीमतों पर दबाव पड़ा है।	
2	ब्रिटिश शासन द्वारा आधारभूत संरचना के विकास के किन्हीं दो कारणों का उल्लेख व व्याख्या करें।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	ब्रिटिश शासन द्वारा आधारभूत संरचना के विकास के पीछे दो मुख्य कारण थे: * सेना का आवागमन - सड़कों का निर्माण मुख्य रूप से भारत में सेना के आवागमन और ग्रामीण इलाकों से निकटतम रेलवे स्टेशन या बंदरगाह तक कच्चा माल लाने के उद्देश्य से किया गया था। * कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए - टेलीग्राफ की शुरूआत करने का उद्देश्य भारत में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए किया गया।	
	< 6 > **अंक वाले प्रश्न**	
1.	(i) "आयात प्रतिस्थापन नीति को, यदि सावधानी से लागू नहीं किया गया, तो यह किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए दोधारी तलवार साबित हो सकती है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? मान्य तर्कों द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। (ii) उल्लेख कीजिए कि बहुपक्षीय व्यापार किस प्रकार द्विपक्षीय व्यापार से भिन्न है।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	(i) हाँ। आयात-प्रतिस्थापन नीति का उद्देश्य घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए आयात को घरेलू उत्पादन से बदलना है। हालाँकि, विदेशी प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा फायदे से ज़्यादा नुकसान पहुँचा सकती है। प्रतिस्पर्धी बाज़ार की अनुपस्थिति में घरेलू उत्पादकों के पास अपने माल की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं होगा। बदले में, उपभोक्ताओं को कम गुणवत्ता वाली वस्तुएँ अधिक कीमत पर क्रय करनी पड़ सकती हैं। इसलिए, आयात प्रतिस्थापन नीति, अगर सावधानी से लागू नहीं की जाती है, तो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए दोधारी तलवार साबित हो सकती है। (ii) बहुपक्षीय व्यापार एक राष्ट्र द्वारा दो से अधिक राष्ट्रों के साथ वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान करने के लिए किया जाने वाला व्यापार है। जबकि; द्विपक्षीय व्यापार से तात्पर्य दो राष्ट्रों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान करने के लिए किए जाने वाले व्यापार से है।	
2.	(i) भारत में आर्थिक सुधारों के दौरान प्रारंभ किए गए कुछ सुधारों के कारणों व परिणामों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। (ii) भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न व महारत्न कंपनी का एक-एक उदाहरण दीजिए। (iii) भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न व मिनीरत्न कंपनी का एक-एक उदाहरण दीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	(i) भारत में आर्थिक सुधारों के अंतर्गत प्रारंभ किए गए कर सुधारों का कारण कर चोरी पर अंकुश लगाना, बचत को प्रोत्साहित करना और आय का स्वैच्छिक घोषणा करवाना था। इसके अतिरिक्त, वस्तुओं के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय बाज़ार की स्थापना की सुविधा के लिए अप्रत्यक्ष कर सुधारों की आवश्यकता थी। सुधार अवधि के दौरान करों की दर में सुधार का उद्देश्य अधिक कर राजस्व प्राप्त करना था, लेकिन इससे कर राजस्व में वृद्धि नहीं हुई। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों को प्रदान किए गए कर प्रोत्साहन ने कर राजस्व बढ़ाने के अवसर को और कम कर दिया, जिसका विकास और कल्याण व्यय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। (ii) नवरत्न कंपनी का उदाहरण: हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड। महारत्न कंपनी का उदाहरण: इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड। (iii) उत्तर: महारत्न कंपनी का उदाहरण - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड। मिनीरत्न कंपनी का उदाहरण - भारत संचार निगम लिमिटेड।	
3.	(a) (i) "भारतीय अर्थव्यवस्था में कुछ विशेष अनुकूल परिस्थितियाँ हैं, जिसके कारण यह विश्व का बाह्य प्रापण केंद्र बन गया है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में मान्य कारण दें। (ii) "सुधार प्रक्रिया के उपरांत की अवधि में, भारत सरकार ने लाभ कमाने वाले सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण करने का निर्णय लिया था।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में मान्य तर्क दें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	(a)	

	(i) सहमति हैं, हाल के दिनों में, संचार के तीव्रगामी माध्यम, विशेषकर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के विकास के कारण भारत से बाह्य प्रापण (Outsourcing) में वृद्धि हो गई है। इसके अतिरिक्त, अपेक्षाकृत कम लागत पर कुशल जनशक्ति की उपलब्धता ने भारत को बहुराष्ट्रीय निगमों (MNCs) के लिए अपनी सेवाओं को बाह्य प्रापण करने हेतु एक प्रमुख बाह्य प्रापण केंद्र बना दिया है। (ii) नहीं, सुधार प्रक्रिया के उपरांत की अवधि में, भारत सरकार ने अपने लाभ कमाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSU) का निजीकरण नहीं किया क्योंकि वे सरकार के राजस्व में सकारात्मक योगदान दे रहे थे। बल्कि इसके विपरीत, इन सार्वजनिक उपक्रमों को दक्षता में सुधार करने, व्यावसायिकता लाने और उन्हें उदारीकृत वैश्विक वातावरण में अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाने के लिए विभिन्न निर्णय लेने में अधिक प्रबंधकीय और परिचालन स्वायत्तता दी गई थी।	
4.	(i) कृषि क्षेत्र में लागू किए गए भूमि सुधारों की आवश्यकता व प्रकारों की व्याख्या करें। (ii) "आर्थिक सुधार अवधि में औद्योगिक क्षेत्र ने निराशाजनक प्रदर्शन किया था।" दिए गए कथन की व्याख्या करें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	(i) स्वतंत्रता उपरांत, भारत सरकार ने कृषि क्षेत्र में समानता के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कई भूमि सुधार शुरू किए। पेश किए गए प्रमुख भूमि सुधार निम्न थे: • बिचौलियों की भूमिका को समाप्त कर दिया गया ताकि कृषकों को भूमि का स्वामी बनाया जा सके और उन्हें जमींदारों द्वारा शोषण से बचाया जा सके। • कुछ ही हाथों में भूमि के स्वामित्व की सघनता को कम करने के लिए भूमि की अधिकतम सीमा (Land Ceiling) लागू की गई। (ii) आर्थिक सुधारों की शुरुआत के कारण, भारत ने विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए अपने दरवाजे खोल दिए। भारत में बहुराष्ट्रीय निगमों (MNCs) के आगमन के साथ, सस्ते माल की उपलब्धता के कारण घरेलू उत्पादकों को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था। इस प्रकार, घरेलू वस्तुओं की मांग काफी कम हो गई, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में मंदी आ गई थी।	
5.	मान्य तर्कों द्वारा निम्नलिखित कथनों का समर्थन व खंडन करें: (i) "संरक्षणवाद की नीति ने घरेलू उद्योगों के विकास को प्रोत्साहित किया था, परन्तु साथ ही एक बाधा भी साबित हुई।" (ii) "1991 की नई आर्थिक नीति ने अर्थव्यवस्था में भारतीय रिज़र्व बैंक की भूमिका को परिवर्तित कर दिया था।"	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	**(i)** दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। संरक्षणवाद की नीति का उपयोग घरेलू उद्योगों के उत्पादन के पोषण और विस्तार के लिए किया गया था। हालाँकि, आयात पर प्रतिबंधों ने उपभोक्ता संप्रभुता को विकृत कर दिया क्योंकि उत्पादकों के पास अपने उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं था। इसके अतिरिक्त, परमिट लाइसेंस राज के रूप में अत्यधिक विनियमन ने कुछ कंपनियों को अधिक कुशल बनने से रोका और घरेलू उद्योगों के विकास में बाधा साबित हुई। **(ii)** दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। नई आर्थिक नीति 1991 ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की भूमिका को वित्तीय क्षेत्र के नियामक से सुविधाप्रदाता में बदल दिया। इसका अर्थ यह है कि वित्तीय क्षेत्र को आरबीआई से स्वतंत्र करके करों मामलों पर अधिक स्वायत्तता दी गई थी।	
6.	(i) ब्रिटिश शासन के अंतर्गत भारतीय व्यावसायिक संरचना में अवलोकित परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए। (ii) "भारत सरकार की नवरत्न नीति सार्वजनिक उपक्रमों के प्रदर्शन को सुधारने में सहायक की है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? मान्य तर्कों द्वारा अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध करें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	(i) ब्रिटिश भारत की व्यावसायिक संरचना में बढ़ते क्षेत्रीय विषमता का अनुभव हुआ जो निम्न था: • मद्रास प्रेसीडेंसी, बॉम्बे और बंगाल के कुछ हिस्सों में विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में आनुपातिक वृद्धि के साथ कृषि क्षेत्र पर कार्यबल की निर्भरता में गिरावट देखी गई। • उड़ीसा, राजस्थान और पंजाब जैसे राज्यों में कार्यबल की कृषि में भागीदारी में वृद्धि हुई है। (ii) हाँ। दक्षता में सुधार करने, व्यावसायिकता लाने और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को उद्योगगत वैश्विक वातावरण में अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाने के लिए, सरकार ने लाभ कमाने वाले पीएसयू की पहचान की। सरकार ने इन्हें महारत्न, नवरत्न और मिनीरत्न घोषित किया। निर्णय लेने में सार्वजनिक उपक्रमों को अधिक प्रबंधकीय और परिचालन स्वायत्तता दी गई। परिणामस्वरूप, पिछले कुछ वर्षों में इन महारत्नों, नवरत्नों और मिनीरत्नों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और खुद को बाजार के अग्रणी के रूप में स्थापित किया है।	
7	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें तथा इसके व सामान्य ज्ञान के आधार पर दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें: भारत ने विश्व व्यापार संगठन से नियमों में ढील देने का आग्रह किया है, ताकि अपने सार्वजनिक स्टॉक से उन देशों को खाद्यान्नों का निर्यात किया जा सके जो खाद्य पदार्थों की कमी का सामना कर रहे हैं। भारत खाद्य असुरक्षा को कम करने में सहायता कर सकता है, परन्तु WTO की ओर से इन नियमों में ढील देने में कुछ संकोच है। भारत की वित्त	MAIN 2023

	मंत्री ने कहा है कि खाद्य, ईंधन व उर्वरक वैश्विक सार्वजनिक वस्तुएँ हैं तथा विकासशील व उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के लिए इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने भारत के मुख्य अनुभवों जैसे कृषि उत्पादन में सुदृढ़ लाभ, नागरिक केन्द्रित खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम व एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड योजना जैसे अभिनव वितरण तंत्र, को भी साझा किया। (Source: The Economic Times, July 16, 2022) (a) विश्व व्यापार संगठन के किन्हीं मुख्य उद्देश्यों का उल्लेख व व्याख्या करें। (b) भारत द्वारा खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए किए गए किन्हीं कदम का नाम लिखें।	
मूल्य बिंदु	(a) विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के उद्देश्य हैं: * यह सभी सदस्य देशों को वृहत बाजार तक पहुंच प्रदान करने में मदद करता है क्योंकि यह अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सभी देशों को समान अवसर प्रदान करता है। * यह प्रशुल्क तथा गैर प्रशुल्क बाधाओं को हटाकर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाता है। (b) खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत द्वारा उठाए गए दो कदम हैं: * कृषि उत्पादन में ज़ोरदार वृद्धि। * नागरिक केंद्रित खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम	

इकाई 7 – <भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ >

	< 1 > अंक वाले प्रश्न	MAIN / COMPTT.
1.	एक विशिष्ट फसल के स्थान पर, विभिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन_____ के विविधीकरण के रूप में जाना जाता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) फसलों (B) कृषि उत्पादन (C) क्षेत्रीय संरचना (D) रोजगार	MAIN 2025
उत्तर	(A) फसलों	
2	निम्नलिखित कथनों अभिकथन (A) और कारण (R) का अध्ययन कीजिए। **अभिकथन (A):** लोग श्रम व अन्य बाजारों (जैसे कि शिक्षा व स्वास्थ्य) से संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए व्यय करते हैं। **कारण (R):** मानव पूँजी स्टॉक के कुशलतम प्रयोग के लिए सूचना पर व्यय आवश्यक है। (सही विकल्प का चयन कीजिए) विकल्प : (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं लेकिन कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, लेकिन कारण (R) सत्य है।	MAIN 2025
उत्तर	(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	
3.	पहचान कीजिए कि, भारत में ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है? (सही विकल्प का चयन कीजिए) विकल्प:- **(A)** भारत में ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली में बहु-एजेंसी संस्थानों का एक समूह सम्मिलित है। **(B)** स्वतंत्रता उपरांत अवधि में, भारत में एक सुचारू रूप से संरचित ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली का निर्माण किया गया था। **(C)** क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी व भूमि विकास बैंक भारत में ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली के घटक हैं। **(D)** भारत में ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली भारतीय स्टेट बैंक के मार्गदर्शन, निर्देशन व पर्यवेक्षण के अंतर्गत कार्य करती है।	MAIN 2025
उत्तर	(D) भारत में ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली भारतीय स्टेट बैंक के मार्गदर्शन, निर्देशन व पर्यवेक्षण के अंतर्गत कार्य करती है।	
4.	पहचान कीजिए कि, पर्यावरण के कार्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है? (सही विकल्प का चयन कीजिए) विकल्प:- **(A)** पर्यावरण संसाधन उपलब्ध कराता है। **(B)** पर्यावरण अपव्यय को अवशोषित करता है। **(C)** पर्यावरण जीवन का पोषण करता है। **(D)** पर्यावरण जीवन की गुणवत्ता का क्षय करता है।	MAIN 2025
उत्तर	(D) पर्यावरण जीवन की गुणवत्ता का क्षय करता है।	

5.	"मान लीजिए कि, एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में वृद्धि की स्थिति का अनुभव कर रही है, जबकि अर्थव्यवस्था में रोजगार के अवसरों में पर्याप्त वृद्धि नहीं हो रही है।" ऐसी स्थिति को, आर्थिक भाषा शैली में _____ वृद्धि कहा जाता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) विकल्प:- (A) अनियत (Casual) (B) अनौपचारिक (C) औपचारिक (D) रोजगार विहीन	MAIN 2025
उत्तर	(D) रोजगार विहीन	
6.	निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए : कथन 1 : सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर किए गए खाद्यान्न के क्रय को बफर स्टॉक के रूप में रखा जाता है। कथन 2 : न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) कृषि उत्पाद मूल्य में किसी भी तीव्र गिरावट के विरुद्ध, कृषकों को सुरक्षा प्रदान करता है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: विकल्प:- (A) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है (B) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं ।	MAIN 2025
उत्तर	(C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं।	
7.	निम्नलिखित चित्र का अध्ययन करें : 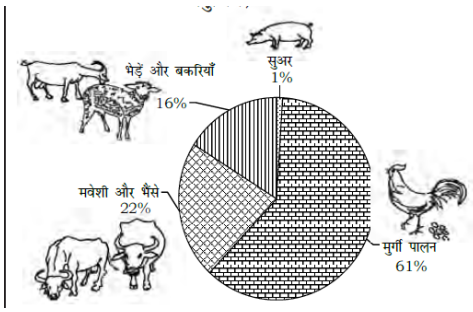 विविधीकरण गतिविधि के रूप में _____ के अंतर्गत परिकल्पित गतिविधियों के प्रकारों की पहचान करें। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।) (A) पशुपालन (B) मत्स्यपालन (C) उद्यान विज्ञान (बागवानी) (D) जैविक कृषि	MAIN 2024
उत्तर	(A) पशुपालन	
8.	_____ खेती एक ऐसी प्रणाली है, जो पारिस्थिक संतुलन को पुनर्स्थापित करने, बनाए रखने व वृद्धि करने में सहायक होती है। (A) बहु-स्तरीय (B) रासायनिक (C) जैविक (D) पारंपरिक	MAIN 2024/VI
उत्तर	(C) जैविक	
9.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : कथन 1: आकस्मिक दिहाड़ी श्रमिकों को स्थायी आधार पर काम पर रखा जाता है तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभ भी मिलता है। कथन 2: श्रम बल में रोज़गार प्राप्त तथा बेरोजगार दोनों व्यक्तियों को सम्मिलित किया जाता है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	MAIN 2024

उत्तर	(D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	
10.	'सूक्ष्म ऋण' (Micro Finance) की योजना को _____ ऋण प्रावधान के माध्यम से विस्तारित किया जाता है। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।) (A) स्वयं सहायता समूह (B) भूमि विकास बैंक (C) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (D) वाणिज्यिक बैंक	MAIN 2024
उत्तर	(A) स्वयं सहायता समूह	
11.	_____ वह शीर्ष संस्था है, जो ग्रामीण ऋण आवश्यकताओं से संबंधित नीति नियोजन व मूल्यांकन करती है। (a) सहकारी ऋण समितियाँ (b) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (c) स्वयं सहायता समूह (d) नाबार्ड (NABARD)	MAIN 2023
उत्तर	(d) नाबार्ड (NABARD)	
12.	पहचान करें, कि निम्नलिखित में से क्या भारत में मानव पूंजी निर्माण की समस्या से संबंधित है ? (i) प्रतिभा पलायन (ii) निम्न शैक्षणिक मानक (iii) वृद्धिमान जनसंख्या (iv) सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन **विकल्प:** (a) (i) व (ii) (b) (ii) व (iii) (c) (i), (ii) व (iii) (d) (i) व (iv)	MAIN 2023
उत्तर	(c) (i), (ii) व (iii)	
13.	पहचान करें कि, पर्यावरण के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कार्य असत्य है ? (a) संसाधनों की आपूर्ति करना (b) अपशेष समाहित करना (c) भूमि अपक्षण (d) सौंदर्य विषयक सेवाएँ प्रदान करना	MAIN 2023
उत्तर	(c) भूमि अपक्षण	
14.	पहचान करें कि, निम्नलिखित में से 'श्रमिक जनसंख्या अनुपात' की गणना के लिए कौन सा सूत्र सही है? (a) $\frac{\text{कुल श्रम शक्ति}}{\text{कुल जनसंख्या}} X\ 100$ (b) $\frac{\text{कुल श्रमिक}}{\text{कुल जनसंख्या}} X\ 100$ (c) $\frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल श्रम शक्ति}} X\ 100$ (d) $\frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल श्रमिक}} X\ 100$	MAIN 2023
उत्तर	(b) $\frac{\text{कुल श्रमिक}}{\text{कुल जनसँख्या}}$ **x 100**	
	< 3 > अंक वाले प्रश्न	
1.	वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों के संदर्भ में, दिए गए चित्र में, धरती की परिस्थिति की व्याख्या करें: 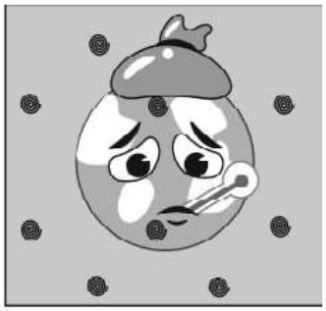	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	दिया गया चित्र "**वैश्विक उष्णता**" ('ग्लोबल वार्मिंग') की पर्यावरणीय चुनौती को दर्शाता है। वैश्विक उष्णता पृथ्वी के निचले वायुमंडल के औसत तापमान में क्रमिक वृद्धि है। यह कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि के कारण होता है। जीवाश्म ईंधन को जलाना और वनों की कटाई वैश्विक उष्णता के प्रमुख कारण हैं।	

	वैश्विक उष्णता ध्रुवीय बर्फ के पिघलने के लिए ज़िम्मेदार है, जिससे समुद्र का स्तर और तटीय बाढ़ आदि में वृद्धि होती है।	
2.	"भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में, एक परिवार के अधिक व्यक्ति कार्यरत होते हैं, फिर भी परिवार की कुल आय सामान्यतः कम होती हैं।" दिए गए कथन में संदर्भित बेरोजगारी की पहचान करें तथा इससे संबंधित विरोधाभास की व्याख्या करें।	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	दिए गए कथन में "**प्रच्छन्न बेरोजगारी**" को दर्शाया गया है। सामान्यतया, ग्रामीण भारत में आवश्यकता से अधिक संख्या में लोगों को किसी विशेष कार्य पर नियोजित किया जाता है जिसमें उनका कुल उत्पादन में योगदान नगण्य होता है। अतः उनके श्रम की सीमांत उत्पादकता शून्य हो जाती है। परिणामस्वरूप, परिवार की सकल आय अपेक्षाकृत कम होती है।	
	< 4 > अंक वाले प्रश्न	
1.	(i) मानव पूँजी व भौतिक पूँजी के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए। (ii) धारणीय विकास को परिभाषित करें।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	(i) मानव पूँजी से तात्पर्य उस ज्ञान, कौशल और योग्यता के भंडार से है, जो उसके स्वामी में समाहित है, अर्थात् मानव पूँजी अपने स्वामी से अविभाज्य है। इसे बाजार में क्रय/विक्रय नहीं किया जा सकता, केवल इसकी सेवाओं का बाजार में क्रय/विक्रय किया जा सकता है। **जबकि** भौतिक पूँजी वे संपत्तियाँ (प्लांट और मशीनरी, भवन आदि) हैं, जो प्रकृति में मूर्त हैं। यह अपने स्वामी से अलग है। इसका बाजार में क्रय-विक्रय किया जा सकता है। (ii) धारणीय विकास वह विकास है जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति क्षमता से समझौता किए बिना पूरा करे।	
2.	(i) ग्रामीण भारत में सूक्ष्म-साख कार्यक्रम के महत्व पर संक्षेप में वर्णन करे। (ii) भारत में धारणीय विकास प्राप्त करने में सम्मिलित किसी एक रणनीति का उल्लेख कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	(i) औपचारिक ऋण प्रणाली में अंतर को पाटने के लिए सूक्ष्म-साख कार्यक्रम का प्रादुर्भाव हुआ। औपचारिक ऋण वितरण तंत्र, ग्रामीण सामाजिक संरचना में पूरी तरह से एकीकृत नहीं हो पाया है। ऋणाधार की अनुपलब्धता के कारण, गरीब ग्रामीण परिवारों का एक बड़ा भाग ऋण तंत्र से बाहर हो जाता है। सूक्ष्म-साख प्रणाली द्वारा इन निर्धन परिवारों को रियायती ब्याज दर पर ऋण प्रदान करके औपचारिक ऋण प्रणाली के दायरे में लाया गया है। (ii) पवन ऊर्जा का उपयोग	
3.	मान्य तर्कों द्वारा, उल्लेख व विस्तृत व्याख्या कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य : (क) भारतीय अर्थव्यवस्था ने हाल ही के वर्षों में, कार्यबल के औपचारीकरण की दिशा में संतोषजनक प्रगति दर्शाई है। (ख) भारतीय ग्रामीण परिदृश्य में, कृषि विविधीकरण आय के अंतर को पाटने के लिए एक उचित विकल्प के रूप में उभरा है।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	(क) असत्य। हाल के वर्षों में, भारत ने औपचारिक से अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यबल का अभूतपूर्व परिवर्तन (या बहिर्गमन) अनुभव किया गया है। यह मुख्य रूप से औपचारिक क्षेत्र (सार्वजनिक और निजी) में नौकरी के अवसरों में कमी के कारण हो सकता है। इस प्रकार, कार्यबल का अनौपचारिकीकरण भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। (ख) सत्य। आजीविका के लिए पूरी तरह से कृषि पर निर्भर रहने में अधिक जोखिम है। विविधीकरण ने कृषि क्षेत्र में अनिश्चितताओं से होने वाले जोखिम को कम किया है, तथा ग्रामीण लोगों को उत्पादक धारणीय आजीविका के विकल्प प्रदान किए हैं।	
4.	मान्य तर्कों द्वारा, उल्लेख व विस्तृत व्याख्या कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य : (क) स्वर्ण क्रांति के तहत बागवानी में जबरदस्त वृद्धि हुई, जिससे भारत इस क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बन गया। (ख) छोटे और सीमांत कृषकों को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक आदि जैसे गैर-संस्थागत स्रोतों से ऋण प्राप्त करने में प्राथमिकता दी जाती है।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	मान्य तर्कों द्वारा, उल्लेख व विस्तृत व्याख्या कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य : (क) **कथन सत्य है।** भारत विभिन्न प्रकार के फलों जैसे आम, केला आदि के उत्पादन में विश्व में अग्रणी बनकर उभरा है और देश फलों और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। (ख) **कथन असत्य है।** क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक आदि ग्रामीण ऋण की ज़रूरतों को पर्याप्त रूप से पूरा करने के लिए सरकार द्वारा स्थापित **संस्थागत स्रोत** हैं।	
5.	**मान्य कारणों द्वारा उल्लेख करें कि, निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य:** (a) उच्च उत्पादकता व उत्पादन मानव संसाधनों में निवेश का परिणाम है। **(b) जनसंख्या में वृद्धि मानव पूंजी निर्माण की गुणवत्ता का कारण नहीं होती है।**	MAIN 2023

मूल्य बिंदु	(a) **सत्य।** मानव पूंजी निर्माण, किसी भी अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनों को समाहित करने की क्षमता पैदा करता है। मानव पूंजी निर्माण के स्रोतों जैसे शिक्षा, प्रशिक्षण और अच्छे स्वास्थ्य आदि के माध्यम से प्राप्त तकनीकी कौशल, दिए गए संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के लिए श्रम आपूर्ति में मदद करता है। इसलिए, उत्पादकता और उत्पादन बढ़ता है। **(b) असत्य।** तेजी से बढ़ती जनसंख्या मानव पूंजी की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। यह वर्तमान सुविधाओं की प्रति व्यक्ति उपलब्धता को कम करता है जिसके परिणामस्वरूप जीवन की गुणवत्ता में कमी आती है। परिणामस्वरूप, यह विशेष कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता में कमी की ओर जाता है।	
6.	(i) भारत में ग्रामीण क्षेत्र की क्षमता का पूर्ण दोहन करने के लिए आधारभूत संरचना का विकसित होना आवश्यक है।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध करें। (ii) 'मानव विकास' का अर्थ लिखें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	(i) ग्रामीण विकास में आधारभूत संरचना की भूमिका ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधारभूत संरचना सुविधाओं जैसे बिजली, सड़क, सिंचाई, विपणन आदि का विकास आवश्यक है। आसान और वहनयोग्य ऋण की उपलब्धता से रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। इसके अतिरिक्त, यह कृषि से गैर-कृषि और संबद्ध गतिविधियों में विविधीकरण के अवसर भी प्रदान करता है। इसलिए, आधारभूत संरचना का विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। (ii) मानव विकास इस विचार पर आधारित है कि शिक्षा और स्वास्थ्य मानव कल्याण के अभिन्न अंग हैं और मानव अपने आप में साध्य है।	
7.	"भारत जैसे राष्ट्र में, रोजगार सृजन के लिए स्वरोजगार एक महत्त्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।" मान्य तर्कों के आधार पर दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन करें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। भारत जैसे देश में, स्वरोजगार पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए आजीविका का एक प्रमुख स्रोत है। स्व-रोज़गार श्रमिक वे होते हैं जो अपनी आजीविका कमाने के लिए किसी उद्यम के मालिक होते हैं और उसका संचालन करते हैं। इस प्रकार, अपने लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के अतिरिक्त, वे सामान्यतया पर अर्थव्यवस्था में अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं।	
8.	i) रोजगार व सकल घरेलू उत्पाद के निम्नलिखित आरेख का अध्ययन करें । 1990-2012 के मध्य इन दो चरों की प्रवृत्ति का विश्लेषण करें। 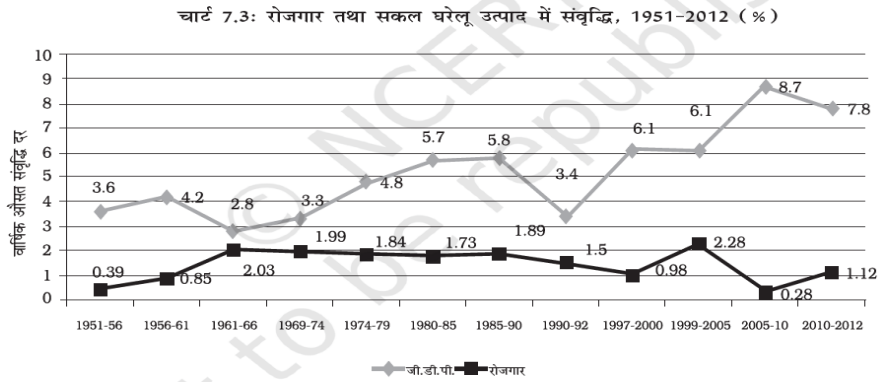 (ii) श्रमिक - जनसंख्या अनुपात को परिभाषित करें।	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	i) 1990 से 2012 के बीच का समय काफी महत्वपूर्ण रहा था। भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 1990 के दशक में 3.4% से सकारात्मक रूप से बढ़कर 2012 में 7.8% हो गई थी। यद्यपि, इसी अवधि के दौरान रोजगार वृद्धि दर में 1.5% से 1.12% की गिरावट देखी गई थी। भारतीय अर्थव्यवस्था ने इन सभी वर्षों में 'रोजगार विहीन संवृद्धि' की अनोखी घटना का सामना किया था, अर्थात रोजगार की दर में वृद्धि के बिना सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में वृद्धि हुई थी। 2005-10 के दौरान रोजगार वृद्धि दर मात्र 0.28% थी। हालाँकि, जीडीपी 8.7% की आसमान छूती रफ़्तार से बढ़ रही थी। संक्षेप में, 1990-2012 के बीच की अवधि सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार वृद्धि दर के दो मोर्चों पर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक रोलर कोस्टर की सवारी थी। (ii) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात को किसी देश में श्रमिकों की कुल संख्या को देश की जनसंख्या से विभाजित करने के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसे प्रतिशत में दर्शाया जाता है।	
9.	शहरी क्षेत्रों में नियमित वेतनभोगी कर्मचारी ग्रामीण क्षेत्र से अधिक क्यों होते हैं?	MAIN 2024/VI
मूल्य बिंदु	नियमित वेतनभोगी कर्मचारी शहरी क्षेत्रों में अधिक होते हैं, क्योंकि इनमें व्यवसायों व उद्योगों की अधिक सांद्रता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में नियमित वेतनभोगी पदों के लिए नौकरी के अधिक अवसर प्रदान करते हैं, जहाँ रोजगार के विकल्प सीमित होते हैं।	
	< 6 > **अंक वाले प्रश्न**	
1.	दिए गए गद्य व सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :	MAIN 2025

	श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) किसी राष्ट्र में कार्यरत अथवा सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश कर रहे व्यक्तियों के प्रतिशत को मापती है। भारत में, 2000 – 2019 के मध्य श्रम बल में 99.2 मिलियन व्यक्तियों की वृद्धि हुई थी। श्रम बल 396.3 मिलियन से बढ़कर 495.5 मिलियन हो गया था। 2012 – 2019 के दौरान, रोजगार में समान वृद्धि के बिना श्रम बल में हुई वृद्धि से बेरोजगारी में बढ़ोतरी हुई थी। भारत के श्रम बाजार में **लैंगिक असमानताएँ** उल्लेखनीय हैं, 2022 में **महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) 32.8%** है, जो कि **पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) 77.2%** से काफी कम है। यह भारत की समग्र श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) का एक प्रमुख कारण है, जो कि वैश्विक औसत श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) 47.3% से कम है। 2000 – 2019 के दौरान, ग्रामीण श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में 14.1% की गिरावट आई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 3.5% की गिरावट आई थी। 2019 – 2022 के मध्य यह प्रवृत्ति पलट गई, ग्रामीण श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में 6% (विशेषकर ग्रामीण महिलाओं में) और शहरी श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में 2.1 वृद्धि हुई। ये परिवर्तन दर्शाते हैं कि महिलाओं की श्रम बाजार भागीदारी में उतार-चढ़ाव होता है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इसने श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) को काफी प्रभावित किया है। महिलाएँ आर्थिक कठिनाइयों के दौरान कार्यबल में शामिल होती हैं, तथा जब परिस्थितियों में सुधार होता है, तो वे कार्यबल से निकल जाती हैं। दिए गए गद्य तथा सामान्य समझ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: (क) बेरोजगारी को परिभाषित कीजिए। (ख) श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) का अर्थ लिखिए। (ग) 2000 – 2019 के दौरान ग्रामीण व शहरी श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में लैंगिक असमानताओं पर टिप्पणी कीजिए।	
मूल्य बिंदु	(क) बेरोज़गारी एक ऐसी स्थिति है जिसमें वे सभी व्यक्ति जो वर्तमान मज़दूरी दर पर काम करने के इच्छुक और योग्य हैं, उन्हें काम नहीं मिलता है। (ख) श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) किसी राष्ट्र में कार्यरत या सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश करने वाले व्यक्तियों के प्रतिशत को मापती है। (ग) भारत के श्रम बाज़ार में लैंगिक असमानता उल्लेखनीय है, 2022 में महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) 32.8% है, जो पुरुषों की LFPR (77.2%) से काफी कम है। 2000 - 2019 के दौरान, शहरी क्षेत्रों में 3.5% की गिरावट की तुलना में ग्रामीण LFPR में 14.1% की गिरावट आई।	
2.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : "हरित वित्त (Green Finance) का आशय उन वित्तीय निवेशों से है जो पर्यावरण परियोजनाओं के वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हरित वित्त प्राप्त करने वाले व्यवसायों को विभिन्न तरीकों से लाभ मिल सकता है। यह उन्हें विभिन्न पर्यावरणीय मानदंडों और विनियमों का पालन करने एवं इस प्रकार संभावित जुर्मानों से बचने में सहायता कर सकता है। सतत विकास प्रथाओं को अपनाने वाले व्यवसायों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि होती है। ग्राहक ऐसे ब्रांडों को पसंद करते हैं जो स्पष्ट सतत विकास प्रथाओं को अपनाते हैं। हरित वित्त द्वारा प्रचारित ऊर्जा कुशल और अन्य सतत विकास प्रथाएँ भी प्रायः लागत बचाने, व्यवसायों की लाभप्रदता में वृद्धि करने आदि में सहायता करती हैं।" दिए गए गद्य तथा सामान्य समझ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: (a) सतत विकास को परिभाषित करें। (b) ऐसी सार्वजनिक परियोजना क्षेत्रों का उदाहरण दें, जहाँ संप्रभु हरित बॉन्ड (Sovereign Green Bond) केंद्रित हैं? (c) हरित वित्त से व्यवसाय कैसे लाभान्वित हो सकते हैं?	MAIN 2024
मूल्य बिंदु	(a) सतत विकास वह विकास है जो भावी पीढ़ी की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करता है। (b) संप्रभु हरित बॉण्ड नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ परिवहन, धारणीय जल व अपशिष्ट प्रबंधन तथा प्रदूषण नियंत्रण जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं के वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। (c) हरित वित्त निम्नलिखित तरीकों से व्यवसायों को लाभ पहुँचा सकता है: • यह उन्हें विभिन्न पर्यावरणीय मानदंडों और विनियमों का पालन करने में मदद कर सकता है और इस प्रकार संभावित जुर्माने से बचा सकता है। • सतत विकासात्मक प्रथाओं को अपनाने से व्यवसायों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि होती है। ऊर्जा-कुशल प्रथाएँ लागत बचाने, व्यवसायों की लाभप्रदता में वृद्धि करने में मदद करती हैं।	
3.	(i) कृषि विविधीकरण को परिभाषित करें। (ii) जैविक कृषि का अर्थ बताएँ। व्याख्या करें कि, यह किस प्रकार धारणीय विकास को प्रोत्साहित करती है?	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	(i) कृषि विविधीकरण का संबंध फसल पद्धति में परिवर्तन या कार्यबल का कृषि से, अन्य संबंधित गतिविधियों में स्थानांतरण से है। **(ii)** जैविक कृषि, खेती की एक ऐसी संपूर्ण प्रणाली को संदर्भित करती है जो पारिस्थितिक संतुलन को पुनर्स्थापित करके इसमें सुधार करती है और बचाए रखती है।	

	जैविक कृषि, खेती की वह प्रणाली है जिसमें खेती के लिए जैविक आगतों जैसे पशुखाद और जैविक खाद के उपयोग पर निर्भर करती है। जैविक उत्पादों का पोषण मूल्य अधिक होता है। यह कीटनाशक मुक्त है जो मिट्टी के संरक्षण में मदद करता है। परिणामस्वरूप, जैविक खेती धारणीय विकास के लिए अनुकूल है।	
4.	**(i) भारत में स्त्री शिक्षा के प्रोत्साहन की आवश्यकता पर चर्चा करें।** **(ii) उदाहरण सहित पर्यावरण की अवशोषण क्षमता की व्याख्या करे।**	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	**(i)** भारत में स्त्रियों के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने की अत्यधिक आवश्यकता है। यह स्त्रियों की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक प्रतिष्ठा में सुधार करने में मदद करता है। स्त्री शिक्षा प्रजनन दर और महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य देखभाल पर अनुकूल प्रभाव डालती है। **(ii)** अवशोषण क्षमता का अर्थ है पर्यावरण की अपशिष्ट को अवशोषित करने की क्षमता। उदाहरण के लिए, विकासशील देशों में उच्च जनसंख्या और समृद्ध उपभोग तथा विकसित देशों के उत्पादन मानकों ने पर्यावरण पर भारी दबाव डाला है। जिससे बहुत से संसाधन विलुप्त हो रहे हैं और उत्पन्न अपशिष्ट पर्यावरण की अवशोषण क्षमता से परे होते जा रहे हैं।	

इकाई 8 – <भारत का आर्थिक विकास – पडोसी देशों से तुलनात्मक अध्ययन >

	< 1 > अंक वाले प्रश्न	MAIN / COMPTT.
1.	निम्नलिखित चित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए : 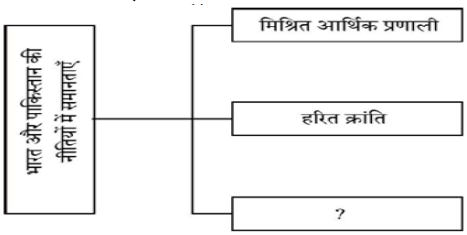 **(**सही विकल्प का चयन कीजिए**)** विकल्प**:-** **(A)** दोहरी कीमत-निर्धारण नीति **(B)** कम्यून प्रणाली **(C)** आयात प्रतिस्थापन **(D)** महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति	MAIN 2025
उत्तर	**(C)** आयात प्रतिस्थापन	
2.	चीन के बारे में कॉलम I में दी गई घटनाओं व कॉलम II में दिए गए तदानुसार तथ्यों के सही युग्म का चयन करें: कॉलम-I: (a) संरचनात्मक परिवर्तन; (b) ग्रेट लीप फॉरवर्ड अभियान; (c) प्राकृतिक संसाधनों के प्रयोग पर अल्प बल; (d) 2014 से, सकल घरेलू उत्पाद में सुस्ती **कॉलम-II**: (i) सीमित शहरीकरण; (ii) चीनी वास्तुओ की वैश्विक मांग; (iii) जनसँख्या का अल्प घनत्व; (iv) अल्पाधिक औद्योगीकरण पर लक्षित विकल्प : (A) (a) – (i) (B) (b) – (ii) (C) (c) – (iii) (D) (d) – (iv)	Main 2024
उत्तर	(C) (c) – (iii)	
3.	पाकिस्तान में आर्थिक सुधारों का प्रारंभ _____ वर्ष में हुआ था। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।) (A) 1978 (B) 1980 (C) 1988 (D) 1991	Main 2024
उत्तर	(C) 1988	
4.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : कथन 1: चीन ने अतिरिक्त सामाजिक व आर्थिक अवसरों की उत्पत्ति के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता को खोये बिना, बाजार व्यवस्था तंत्र का प्रयोग किया था।	Main 2024

	कथन 2: भारत, पाकिस्तान व चीन की भौतिक खाद्यान्न संपन्नताओं में तो काफी समानता है परंतु उनकी राजनीतिक व्यवस्थाएँ बिल्कुल भिन्न हैं। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (A) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	
उत्तर	(C) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं।	
5.	किसी राष्ट्र में _____ संकेतक को सामाजिक व राजनीतिक निर्णय लेने में जनसांख्यिकीय भागीदारी की सीमा के माप के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।) (A) आर्थिक (B) स्वास्थ्य (C) जनसांख्यिकीय (D) स्वतंत्रता	Main 2024
उत्तर	(D) स्वतंत्रता	
6.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें: कथन 1: 1950 के दशक में चीन में महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति का आरंभ हुआ था। कथन 2: चीन के विकास में मुख्यतः उत्पादन क्षेत्र का योगदान है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए। (a) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है। (b) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	MAIN 2023
उत्तर	(d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	
7.	निम्नलिखित में से असत्य कथन की पहचान करें: (सही विकल्प का चयन करें) (a) चीन की आर्थिक वृद्धि दर पाकिस्तान से बेहतर है। (b) पाकिस्तान HDI रैंकिंग में भारत से पीछे है। (c) पाकिस्तान ने 'एकल बालक नीति' का मानदंड अपनाया था। (d) 1991 में भारत ने नवीन आर्थिक सुधारों को अपनाया था।	MAIN 2023
उत्तर	(c) पाकिस्तान ने 'एकल बालक नीति' का मानदंड अपनाया था	
8.	निम्नलिखित कथन को पढ़े अभिकथन (A) और कारण (R) नीचे दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनें: **अभिकथन (A):** 1980 के दशक में पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर भारत से अधिक थी। **कारण (R):** पाकिस्तान ने निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की बराबर भागीदारी वाली मिश्रित आर्थिक संरचना के मार्ग का अनुसरण किया था। **विकल्प:** (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य है और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (b) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (c) अभिकथन (A) सत्य है लेकिन कारण (R) असत्य है। (d) अभिकथन (A) असत्य है लेकिन कारण (R) सत्य है।	MAIN 2023
उत्तर	(c) अभिकथन (A) सत्य है लेकिन कारण (R) असत्य है	
9.	निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें : कथन 1: विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) नीति के कारण चीन में प्रचुर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) का प्रवाह हुआ था। कथन 2: चीन का तीव्र औद्योगिक विकास 1981 में उसके आर्थिक सुधारों का परिणाम था। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (a) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है। (b) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	MAIN 2023
उत्तर	(a) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है।	
10.	निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :	MAIN 2023

	कथन 1: चीन की प्रथम पंचवर्षीय योजना 1956 में प्रारंभ हुई थी। कथन 2: सोवियत संघ (USSR) का अनुकरण करते हुए भारत व चीन दोनों ने समाजवादी अर्थव्यवस्था मॉडल का चयन किया था। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (a) कथन 1 सत्य है और कथन 2 असत्य है। (b) कथन 1 असत्य है और कथन 2 सत्य है। (c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं। (d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	
उत्तर	(d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं।	
	< 3 > अंक वाले प्रश्न	
1.	निम्नलिखित आँकड़ों का उपयोग करते हुए, सकल वर्धित मूल्य (GVA) में भारत व पाकिस्तान के क्षेत्रीय योगदान का विश्लेषण कीजिए। *2018-19 में रोजगार एवं सकल वर्धित मूल्य (%) के क्षेत्रीय अंश* क्षेत्र / सकल वर्धित मूल्य में योगदान / कार्यबल का वितरण भारत, चीन, पाकिस्तान, भारत, चीन, पाकिस्तान कृषि 16 7 24 43 26 41 उद्योग 30 41 19 25 28 24 सेवा 54 52 57 32 46 35 योग 100 100 100 100 100 100	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	उपरोक्त आंकड़े भारत और पाकिस्तान के सकल संवर्धित मूल्य (GVA) की क्षेत्रीय हिस्सेदारी से संबंधित हैं। उपरोक्त आंकड़ों के अनुसार, भारत के GVA में कृषि क्षेत्र का योगदान 16% है, जबकि पाकिस्तान में यह 24% है। भारत में, औद्योगिक क्षेत्र ने GVA में 30% का योगदान दिया, जबकि यह योगदान पाकिस्तान में 19% है। भारत और पाकिस्तान में, GVA में सेवा क्षेत्र का योगदान उच्चतम है, जो कि क्रमशः 54% और 57% है। इस प्रकार, दोनों देशों में, सेवा क्षेत्र विकास में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में उभरा है।	
	< 4 > अंक वाले प्रश्न	
1.	निम्नलिखित गद्य को ध्यानपूर्वक पढ़िए:- "चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत परिवर्तन किए थे। 1970 के दशक के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में चीन की आर्थिक वृद्धि तीव्र रही थी। हालाँकि, भारत को अपने आर्थिक परिवर्तन के लिए बहुत प्रतीक्षा करनी पड़ी थी। भारत को महत्त्वपूर्ण आर्थिक प्रगति 1991 के आर्थिक सुधारों के उपरांत ही प्राप्त की गई थी, जिन्हें मजबूरी के कारण लागू किया गया था।" दिए गए गद्य व सामान्य ज्ञान के आधार पर, चीन व भारत द्वारा आरम्भ किए गए सुधारों के प्रभावों की **तुलना** कीजिए।	MAIN 2025
मूल्य बिंदु	चीन की तीव्र आर्थिक वृद्धि का अनुमान उसके द्वारा 1978 में स्वैच्छिक रूप से शुरू किए गए सुधारों से लगाया जा सकता है। 1980 के दशक के दौरान चीन लगभग दोहरे अंकों की वृद्धि बनाए रखने में सक्षम था, जिसने विनिर्माण-संचालित अर्थव्यवस्था की ओर रणनीतिक बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया। इसके अतिरिक्त, कृषि सुधारों ने बड़ी संख्या में निर्धन लोगों को समृद्धि प्रदान की। इसने औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा दिया और भविष्य में सुधारों के लिए मज़बूत आधार बनाया। इसके विपरीत, भारत को 1991 में आर्थिक सुधार शुरू करने के लिए मज़बूर होना पड़ा। औद्योगिक क्षेत्र में उतार-चढ़ाव होते रहे और सेवा क्षेत्र की वृद्धि बढ़ गई। यह दर्शाता है कि सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र में वृद्धि से प्रेरित है।	
2.	**भारत एवं चीन की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वार्षिक वृद्धि से संबंधित निम्नलिखित सूचना की तुलना व विश्लेषण करें:** **सकल घरेलू उत्पाद की वार्षिक वृद्धि** देश / 1980-90 / 2015-17 भारत 5.7% 7.3% चीन 10.3% 6.8% स्रोत :- Asian Development Bank, Philippines, World Development Indicator-2018	MAIN 2023
मूल्य बिंदु	दिए गए आँकड़ों से पता चलता है कि चीन ने दी गई अवधि में आर्थिक शक्ति हासिल की है। 1980 के दशक के दौरान जब भारत में **5.7%** की विकास दर थी, तब भी चीन दो अंकों की वृद्धि दर को बनाए रखने में सक्षम था। 2015-17 की अवधि में चीन की विकास दर औसतन **6.8%** तक गिर गई है। 1980 के दशक में भारत की विकास दर कम थी परंतु, 2015-17 की अवधि में **7.3%** की औसत वृद्धि दर दर्ज करके वर्तमान में भारत ने विकास दर में अच्छी वृद्धि दर्ज की है।	